हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला | अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, शुक्रवार 3 जनवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने पंचचौकी महाआरती के लिए 51 हजार रूपए दान किए

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने गुरूवार को माहिष्मती घाट में आयोजित होने वाले पंचचौकी महाआरती के लिए 51 हजार रूपए दान किए। उन्होंने उक्त राशि सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की उपस्थिति में एसडीएम श्रीमती सोनल सिडाम को प्रदान किए। उक्त राशि पंचचौकी महाआरती के संचालन में व्यय की जाएगी। इस अवसर पर नगरपालिका मंडला अध्यक्ष विनोद कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, नगरपालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, भाजपा नगर अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, जिला भाजपा मीडिया प्रभारी सुधीर कसार, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, तहसीलदार अजय श्रीवास्तव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री गजानंद नाफड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, व्यापारीगण, श्रद्धालु, पत्रकारगण और जिले के नागरिक मौजूद थे।

कलेक्टर कार्यालय में वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन गण मन गाया गया

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशन में गुरूवार को कलेक्टर कार्यालय मण्डला में वन्देमातरम एवं राष्ट्रगान जन गण मन गाया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह सहित विभागीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे। इस दौरान संगीत धुन के साथ सभी ने एक स्वर में वंदे मातरम और राष्ट्रगान जन गण मन गाया।

पेड़ के नीचे चल रहा स्कूल, विभाग ने लिया संज्ञान

अतिरिक्त कक्ष निर्माण पर उठे सवाल

*** अधिकारियों की उदासीनता से बच्चों का भविष्य हो रहा प्रभावित।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मण्डला जिला मुख्यालय से लगभग 15 किलोमीटर दूर मण्डला जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत सिलपुरा के पोषक ग्राम बुजबुजिया में स्थित प्राथमिक शाला के भवन की स्थिति अब अत्यंत जर्जर हो चुकी है। इससे पहले स्कूल का संचालन खुले आसमान में और पेड़ के नीचे किया जा रहा था। यह स्थिति मीडिया में खबर प्रकाशित होने के बाद सामने आई, जिससे जिला शिक्षा केन्द्र ने अपनी लापरवाही पर पर्दा डालने के लिए तुरंत जांच टीम को मौके पर भेजा।

खबरों के प्रकाशन के बाद जांच टीम ने गांव में पहुंचकर तुरंत स्कूल का संचालन गजराज मरावी के घर में कराने के निर्देश दिए। जांच टीम का कहना था कि जब तक राज्य शिक्षा केन्द्र से नए भवन की स्वीकृति नहीं मिलती, तब तक स्कूल को वैकल्पिक व्यवस्था के तहत श्री मरावी के घर में चलाया जाए। इसके साथ ही पुराने स्कूल भवन की मरम्मत कराने का निर्देश भी दिया गया। हालांकि, इस व्यवस्था से स्कूल प्रबंधन को कई समस्याएं आ रही हैं, क्योंकि श्री मरावी के घर के कमरे छोटे और बिना रोशनी के हैं, साथ ही यहां बच्चों को शौचालय की व्यवस्था नहीं है। जिससे बच्चों को पढ़ाई में परेशानी हो रही है।

पेड़ के नीचे संचालित हो रहा स्कूल

सरपंच की शिकायत और विभागीय लापरवाही

ग्राम पंचायत सिलपुरा के सरपंच ने कहा कि उन्हें जांच टीम के आगमन के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई और न ही पंचनामा की जानकारी दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जब पहले से ही अतिरिक्त कक्ष के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है, तो उसे भवन निर्माण में क्यों नहीं किया जा रहा। सरपंच का कहना था कि तीन साल से यह मुद्दा उठाया जा रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। जब भी मामले में खबरें उठती हैं, विभाग आनन-फानन में किसी के घर में स्कूल शुरू करा देता है, और जब मकान का किराया नहीं मिलता तो स्कूल फिर पेड़ के नीचे लगने लगता है। ऐसा ही मामला प्रकाश मे आया जहां पेड़ के नीचे स्कूल संचालित होने मीडिया द्वारा खबर चलाई गई जिससे फिर विभाग हरकत में आते मौके मे जांच दल भेजा कर स्कूल गजराज मरावी के घर संचालित करवाया गया।

विभागीय जांच दल का रिपोर्ट और निर्देश

जिला शिक्षा केन्द्र के अधिकारियों ने हाल ही में दिनांक 23 दिसंबर 2024 को शाला भवन का निरीक्षण किया, और पाया कि स्कूल का संचालन वर्तमान में आम के पेड़ के नीचे हो रहा है। इसके बाद, अधिकारियों ने शाला के पुराने भवन की मरम्मत कराकर उसे तुरंत संचालित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा, अधिकारियों ने यह भी कहा कि स्कूल के बगल में स्थित सामुदायिक भवन को रिपेयर करके स्कूल संचालित किया जाए। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि किसी भी परिस्थिति में पेड़ के नीचे स्कूल का संचालन न हो। जांच दल ने यह भी कहा कि यदि भविष्य में पेड़ के नीचे स्कूल संचालित करने के कारण कोई अनहोनी होती है, तो उसकी जिम्मेदारी संस्था प्रभारी पर डाली जाएगी। यह निर्देश भी दिया गया कि स्कूल परिसर में बाड़ा लगा दिया जाए ताकि जानवरों का प्रवेश न हो सके।

गांववासियों की चिंता और सवाल

गांववाले यह सवाल उठा रहे हैं कि जब लगभग 10-12 साल पहले अतिरिक्त कक्ष के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी थी, तो अब तक उस राशि से कक्ष निर्माण क्यों नहीं किया गया। गांववासियों का कहना है कि वर्षों से बच्चों को बिना भवन के पढ़ाई करनी पड़ रही है, और यदि अब भी विभाग ध्यान नहीं देगा, तो उन्हें आंदोलन की राह पकड़नी पड़ेगी।

जांच दल का तुकलगी आदेश

विभागीय जांच दल ने पंचनामा में यह आदेश दिया कि 15 दिन के अंदर पुराने स्कूल भवन की मरम्मत की जाए। हालांकि, यह निर्देश इस दृष्टि से सवाल खड़े करता है कि क्या यह पुराना भवन मरम्मत के लायक है? भवन में न तो बीम हैं, न ही वह संरचनात्मक रूप से मजबूत है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि यदि मरम्मत के बाद भी इस भवन में कोई घटना या दुर्घटना होती है, तो उसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

यह मामला यह स्पष्ट करता है कि जिला शिक्षा केन्द्र की लापरवाही और स्थानीय प्रशासन की उदासीनता के कारण बच्चों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। जब तक इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकाला जाएगा, तब तक शिक्षा के अधिकार पर संकट बना रहेगा। अब यह देखना होगा कि विभाग इस मुद्दे पर कब गंभीर कदम उठाता है और बच्चों के लिए एक सुरक्षित और स्थायी स्कूल भवन बनवाने की दिशा में कार्य करता है।

इनका कहना :-

मेरी जानकारी मे यह मामला आते हैं तुरंत जांच दल मौके मे भेकर फिलहाल स्कूल गांव के गजराज मरावी जी के घर मे संचालित करा दिया गया है, बच्चों के हित को देखते हुए जल्द ही स्कूल व्यवस्था हेतु भवन मरम्मत या नया भवन का निर्माण की कार्य कराया जायेगा।

-अरविंद विश्वकर्मा,
डीपीसी मण्डला

धान उपार्जन केन्द्रों में किसानों का शोषण कर रही सहकारी समितियाँ

*** प्रति क्विंटल ली जाती नगद राशि, एक किलो से ऊपर ली जा रही अतिरिक्त धान।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

किसानों को उनकी उपज का उचित दाम मिले, किसानों को सुविधायें प्राप्त हों इसके लिये सरकार ने उनकी उपज खरीदने की योजना लागू की और वह भी किसानों के खेतों के नजदीक ही खरीदी केन्द्रों को स्थापित कराया जिन सहकारी समितियों के माध्यम से यह व्यवस्था संचालित की जा रही है वे सहकारी समितियाँ और उनके कर्मचारी खुलेआम किसानों का शोषण कर रहे हैं। मण्डला नगर के पास के ही धान उपार्जन केन्द्रों की बात करें तो फिर मण्डला लेम्पस, केहरपुर लेम्पस एवं पौंड़ी लेम्पस द्वारा जो धान उपार्जन केन्द्र संचालित किये जा रहे हैं उनमें जमकर मनमानी हो रही है 40 किलो 800 ग्राम धान लेने के स्थान पर 41 से 42 किलो धान ली जा रही है धान तुलाई का पैसा जो कि 6 से 7 रूपये प्रति बोरी किसानों से वसूला जा रहा है और इसके बाद खरीदी प्रभारी प्रति क्विंटल 15 से 25 रूपये के हिसाब से नगद राशि ली जा रही है।

यह सब किन नियमों के तहत और किसके आदेश पर हो रहा है यह कोई बताने तैयार नहीं। किसानों की स्थिति यह है कि उन्होंने जितने भी जिम्मेदार अधिकारी हैं उनसे अपनी परेशानी बताई लिखित रूप से शिकायत भी की लेकिन व्यवस्था है कि जस की तस है। लगभग आधी से ज्यादा धान खरीदी हो चुकी है और इस दौरान इसी तरह की अंधेरगर्दी जारी रही। न तो किसी जनप्रतिनिधि ने और न ही किसी अधिकारी इस अनियमित्ता को दूर करने का प्रयास किया। किसानों द्वारा जनसुनवाई में पहुंचकर भी सहकारी समितियों की शिकायत की उसके बावजूद कोई कार्यवाही न होना यह साबित करता है कि प्रशासन भी पूरी तरह से किसानों के शोषण में भागीदार है।

सहकारी समितियों के कर्मचारी 42 किलो प्रति बोरी धान किसान से लेते हैं और उसे भुगतान 40 किलो का ही होना है लगभग एक से डेढ़ किलो धान कर्मचारी द्वारा बोरियों से शाम को निकालकर अलग एकत्रित की जाती है जिसके वीडियों एवं फोटो किसानों ने शिकायत के साथ उपलब्ध भी कराये हैं।

सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते ने माहिष्मती घाट में पंजीयन कक्ष का शुभारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने गुरूवार को माहिष्मती घाट में पंचचौकी महाआरती के लिए प्रारंभ किए गए पंजीयन कक्ष का लोकार्पण कर शुभारंभ किया। माहिष्मती घाट में 12 नवंबर 2024 एकादशी पर्व से पंचचौकी महाआरती प्रारंभ की गई है। पंचचौकी महाआरती में जिले के सभी जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, अधिकारी, कर्मचारी, व्यापारीगण, श्रद्धालु, पत्रकार और नागरिकगण शामिल होते हैं। पंचचौकी महाआरती का आयोजन कोई भी नागरिक किसी विशेष अवसर पर संपन्न करा सकता है। इसके लिए उन्हें निर्धारित शुल्क जमा करना होता है, जिससे वह माहिष्मती घाट में पंचचौकी महाआरती संपन्न करा सके। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने माहिष्मती घाट में नागरिकों को पंचचौकी महाआरती का पंजीयन कराने के लिए पंजीयन कक्ष का शुभारंभ किया गया है। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने माहिष्मती घाट में फीता काटकर पंजीयन कक्ष का शुभारंभ किया और माँ नर्मदा नदी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित किए। सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने इस अवसर पर जिला पुरातत्व, पर्यटन एवं संस्कृति परिषद द्वारा तैयार किए गए माँ नर्मदा पंचचौकी महाआरती कैलेंडर का विमोचन भी किया। इस दौरान नगरपालिका मण्डला अध्यक्ष विनोद कछवाहा, सांसद प्रतिनिधि जयदत्त झा, नगरपालिका उपाध्यक्ष अखिलेश कछवाहा, भाजपा नगर अध्यक्ष शिवा रानू राजपूत, जिला भाजपा मीडिया प्रभारी सुधीर कसार, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रेयांश कूमट, अपर कलेक्टर राजेन्द्र कुमार सिंह, अपर कलेक्टर अरविंद सिंह, एसडीएम मण्डला श्रीमती सोनल सिडाम, तहसीलदार अजय श्रीवास्तव, मुख्य नगरपालिका अधिकारी श्री गजानंद नाफड़े सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी, समाजसेवी, व्यापारीगण, श्रद्धालु, पत्रकारगण और जिले के नागरिक मौजूद थे।

पोस्ट ऑफिस में हो रही हैं खातेदारों को असुविधा

नारायणगंज। नारायणगंज में पोस्ट ऑफिस जहां पर एक कमरे में संचालित कई सालों से हो रहा है अब पोस्ट ऑफिस में खातेदारों की संख्या दिनों दिन बढ़ती जा रही है जिससे यहां पर भीड़ लगती है परंतु ना तो यहां पर खड़े होने की व्यवस्था है ना ही बैठने की लोग रोड में खड़े होकर अपने पैसे निकलवाने का इंतजार करना पड़ता है चाहे बरसात हो या गर्मी हो लोग सड़क के ऊपर खड़े होकर अपने फॉर्म या फिर पैसे निकलवाने के लिए बिडल भरते दिखाई देते हैं पोस्ट ऑफिस में बैठे मैनेजर द्वारा लोगों को सही समय में पैसे का भुगतान न करने के कारण लोगों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है इसी तरह ग्राम समनापुर से नारायण सिंह पिता महेश प्रसाद जोक करीब पोस्ट ऑफिस से उसके गांव की दूरी 30 किलोमीटर से अधिक है उसे पैसे निकलवाने के लिए पोस्ट ऑफिस नारायणगंज आना पड़ता है परंतु आने पर उसे मैनेजर द्वारा पैसा नहीं दिया जाता और कहा जाता है कि अभी इतनी राशि नहीं है जबकि पोस्ट ऑफिस में ऐजेट द्वारा जमा की राशि होती है जिससे लोगों को भुगतान कर सकते हैं परंतु 10000- 15000 के लिए बार-बार उन्हें पोस्ट ऑफिस का चक्कर लगाना पड़ता है अतः जिला कलेक्टर महोदय से निवेदन है कि तत्काल पोस्ट ऑफिस में हो रही लोगों को अशुद्ध को देखते हुए कोई अन्य जगह पर खोला जाए जिसमें लोग कम से कम बैठकर अपने पैसों के लिए विड्रोल भर सके।

अनदेखी

90 मीटर हिस्से को बदहाल स्थिति में क्यों छोड़ दिया गया।

प्रधानमंत्री सड़क मरम्मत में गड़बड़ी का आरोप

*** वरिष्ठ अधिकारियों से ग्रामवासियों ने की शिकायत।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/अंजनिया

ग्राम अंजनियां नेशनल हाईवे 30 से नरैनीमाल तक प्रधानमंत्री सड़क मरम्मत में जमकर गड़बड़ी की जा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि विगत तीन चार दिवस पूर्व अंजनिया से नरैनीमाल प्रधानमंत्री सड़क का मरम्मतीकरण किया गया है।परंतु मुख्यमार्ग एनएच 30 से बाईपास सड़क तक के लगभग 90 मीटर भाग को जर्जर हालत में छोड़ दिया गया है जिससे ग्रामीणों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है।

एनएच 30 से बाईपास तक का हिस्सा जर्जर

अंजनियां के ग्रामीणों ने बताया कि लगभग दस बारह वर्ष पूर्व अंजनियां से नरैनीमाल तक लगभग 2 किलोमीटर तक की सड़क का निर्माण प्रधानमंत्री सड़क निर्माण योजना अंतर्गत किया गया था।जिसके कुछ वर्षों बाद जबलपुर से चिल्फी तक नेशनल हाईवे 30 स्वीकृत हुआ और अंजनियां में बस्ती के अंदर सड़क नवनिर्माण तथा कस्बे के बाहरी हिस्से में बाईपास सड़क का निर्माण किया गया। बाईपास निर्माण के दौरान अंजनिया नरैनीमाल प्रधानमंत्री मार्ग का कुछ हिस्सा भी इसमें आ गया और इस सड़क के बीच से बाईपास निर्माण किया गया।प्रधानमंत्री सड़क निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार ने मिलीभगत करते हुए अंजनियां बाईपास से नरैनीमाल तक के मार्ग की मरम्मत की और एनएच 30 अंजनियां से बाईपास सड़क तक अंजनियां नरैनीमाल मार्ग के लगभग 90 मीटर हिस्से को बदहाल स्थिति में छोड़ दिया।

बोर्ड भी बाईपास में शिफ्ट कर दिया

ग्रामीणों ने बताया कि जब नेशनल हाईवे से नरैनीमाल तक सड़क निर्माण कार्य किया गया था तब विभाग द्वारा अंजनिया चिकनिया नाला के पास सड़क के प्रारंभ स्थल में मार्ग निर्माण के संबंध में सूचना बोर्ड तथा पांच वर्षीय संधारण संबंधी दो बोर्ड लगाये गये थे।परंतु नेशनल हाईवे निर्माण के बाद दोनों बोर्डों को उखाड़कर बाईपास में लगा दिया गया।और नेशनल हाईवे से बाईपास तक के प्रधानमंत्री सड़क के हिस्से को बदहाल छोड़ दिया गया है।

ग्रामीणों ने की वरिष्ठ अधिकारियों शिकायत

अंजनिया निवासी आनंद मरावी सहित अन्य ग्रामीणों ने इस गड़बड़ी की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की है।ग्रामीणों ने अपनी शिकायत में बताया है कि अंजनिया से नरैनीमाल मार्ग नेशनल हाईवे 30 से नरैनीमाल तक स्वीकृत है न कि बाईपास अंजनियां से नरैनीमाल तक स्वीकृत है। वर्तमान में बाईपास से नरैनीमाल तक के मार्ग की ही मरम्मत की गयी है और मुख्य मार्ग से बाईपास तक के प्रधानमंत्री सड़क के हिस्से को बदहाल छोड़ दिया गया है जिससे इस मार्ग से आने जाने वाले ग्रामीणों तथा स्कूली छात्र छात्राओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि शीघ्र ही मुख्यमार्ग से बाईपास तक के अंजनियां नरैनीमाल प्रधानमंत्री सड़क योजना के छूटे हुए हिस्से की मरम्मत की जाए।

सुलभ कॉम्पलेक्स एवं यात्री प्रतीक्षालय बना शराबियों का अड्डा

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/नारायणगंज

जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत बस स्टैंड जो की यहां पर जबलपुर और मंडला से करीबन 60 बसो का आना-जाना दिन भर में लगा रहता है यात्रियों की सुविधा के लिए यहां पर बस स्टैंड में सुलभ कंपलेक्स बनाया गया था जिसमें यात्री को कुछ सुविधाएं मिल सके परंतु अधिकारी यो की लापरवाही के कारण सुलभ कांप्लेक्स और यात्री प्रतीक्षालय में कोई ऐसी सुविधा नहीं है जो यात्रियों को मिल सके नाम मात्र की व्यवस्था करके अपना पडला झाड़कर अधिकारी मौन बनकर बैठे हैं कई बार लिखित एवं मौखिक शिकायत की गई परंतु अधिकारियों का ध्यान नहीं जाता जनपद पंचायत नारायणगंज अपने हैंड ओवर इस सुलभ कॉम्पलेक्स से यात्री प्रतीक्षालय को ले लिया है परंतु सुविधा नाम की कोई चीज नहीं है रात होते ही यहां पर शराबियों की झुंड जाकर यात्री प्रतीक्षालय एवं सुलभ कॉम्पलेक्स जहां पर ऊपर करीबन 15 दुकान है बनी है परंतु नियमों के अनुसार दुकान जो की उन गरीबों लोगों को मिलना चाहिए जिन्हें दुकानों की आवश्यकता है परंतु पगड़ी राशि अमानत राशि इतनी अधिक होने के कारण गरीबों का दुकान लेना संभव नहीं है जिससे 15 दुकान में से मात्र 6, 7 दुकान ही संचालित हैं बाकी दुकानों में ताला लगा हुआ जिससे शासन का भी नुकसान हो रहा है परंतु उन दुकानों के आसपास इतनी गंदगी फैला रखे हैं एवं शाम होते ही शराबियों का आना रात भर लगा रहता है लाइट की व्यवस्था न होने के कारण यहां पर लोग अंधेरे का फायदा उठाते हैं करीबन 15 से 20 दिन हो गए परंतु बस स्टैंड में अंधेरा छाया हुआ है ऐसा लगता है कि जैसे कोई खंडहर खड़ा हो रात के अंधेरे में महिलाएं प्रसाधन के लिए जाती हैं परंतु वहां पर आदमी ही चले जाते हैं उनको रात के अंधेरे में यह दिखाई नहीं देता कि यह महिलाएं प्रशाधन केंद्र है या पुरुष कई बार लोग यहां पर खड़े होने में महिलाएं खड़े होने में डरती हैं जिसके कारण लोगों में यह जन चर्चा हो रही है कि आखिर कब तक इस तरह अंधेरे में लोग रहेंगे दुकान, दारू ने खुलेआम अतिक्रमण कर बैठे हैं उसे ठेले में भी लोग शराब पीते हैं यहां पर पीने की पानी के लिए व्यवस्था की गई थी परंतु वह भी बंद पड़ी लाखों रुपए का बना सुलभ कॉम्पलेक्स एवं पीने के पानी के लिए की गई व्यवस्था ठप हो गई धीरे-धीरे खंडार में तब्दील होने को हो रहा है भवन परंतु जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारी इस और ध्यान नहीं दे रहे जगह-जगह पीपल के पेड़ जो की दीवाल में लगे हैं वह दीवाल को बेकार कर रहे हैं ऊपर इस तरह का कचरा फैला हुआ है कि लोग, सीडी तक नहीं छोड़े सीडीओ में भी कचरा एवं शराब की बैटाल डिस्पोजल पानी पाउच सामान बिखरा पड़ा है जबलपुर और मण्डला के बीच चलने वाली बसों का एकमात्र बस स्टैंड नारायणगंज जहां पर करीब 15 से 20 मिनट बसे रुकती हैं जिससे यात्री अपनी सुविधा या चाय नाश्ता कर सके परंतु इस तरह की, व्यवस्था होने के कारण लोग बसों से नीचे नहीं उतरते लाइट की फिटिंग भी अभी तक नहीं हो पाई अंधाले में लोग यात्री खड़े-खड़े बसो का इंतजार करते हैं क्योंकि यात्री प्रतीक्षालय के सामने चाय पान के ठेले लगे हुए बार-बार अधिकारियों को इस और ध्यान दिलाया गया परंतु इस और किसी प्रकार भी कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है जिससे बस स्टैंड में चारों तरफ बीच रोड में अतिक्रमणकारियों कब्जा जमाए हुए हैं अतः श्रीमान जिला कलेक्टर महोदय से निवेदन है कि तत्काल ठोस कार्रवाई की जाए

खबर संक्षेप

लक्ष्मी जी की कृपा से सही हो जाता है आडिट, कमीशन का यह खेल चल रहा है अनेक कार्यालयों में

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। शासकीय व्यवस्था है कि सरकार स्वयं सभी विभागों के कामकाज पर आसानी से नजर नही रख सकती इसके लिए यह व्यवस्था बनायी गयी कि साल में एक या दो बार शासन के द्वारा नामित संस्था के व्यक्तियों द्वारा इन शासकीय विभागों के कामकाज का ब्यौरा लिया जाये तथा संस्था के जो अधिकारी विभागों के काम काज संभाले हुए है उनके दस्तावेज एवं महत्वपूर्ण फाइलों की जांच करते है वे चार्टर एकाउटेंड होते है जिन पर सरकार को विश्वास होता है कि वे छोटी से छोटी गलती एवं बहुत ही चालकी से की गयी बड़ी से बडी गडबड़ियों को आसानी से पकड लेगे और इन सभी कार्यो का विस्तृत ब्यौरा से सरकार को अपने अधिकारियों के माध्यम से भेजते है। जिसके चलते शासकीय विभागों में ये ऑडीटर ऑडिट हेतु जाते है, मगर देखा जाता है कि वहां पर उनकी आव भगत किसी राजसी मेहमान से कम नही होती है जिसके चलते अक्सर शासकीय कार्यालयों में ऑडिट करने पहुंचने वाले इन अधिकारियों को उन शासकीय कार्यालयों के प्रमुखों द्वारा अच्छी से अच्छी होटलों में ठहराया जाता है तथा ऊंची कीमत के पेन से लेकर उपयोग की सभी उच्च स्तरीय की सामग्री उपलब्ध करायी जाती है तथा खान पान तो वैसे भी लक्जरी होता है और इनके शौक को देखते हुये हर तरह की व्यवस्था संपादित की जाती है तब कहीं जाकर ये विभाग के कर्मचारियों पर खुश होते हुए वह भी उनकी कमिशन बाजी में शामिल हो जाते है? इस प्रकार की सच्चाई को लेकर लोगों का कहना है कि विभाग के अधिकारी, कर्मचारी इतनी सब व्यवस्थाएं इसलिए करवाते है कि उनके द्वारा किये गये अनेतिक कार्यो को ये नजर अंदाज कर इनके पक्ष मे रिपोर्ट पेश कर सके? इन सकारात्मक रिपोर्ट के लिए नगद राशि एवं बहु मूल्य उपहारों का भी जमकर लेन देन होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? इस प्रकार से नीचे से लेकर ऊपर चल रही शासकीय व्यवस्थाओं के चलते भी लोग अच्छे दिन आने का अहसास कैसे कर पायेगे?

बिजली विभाग की अनदेखी बनती है किसानों की परेशानी का कारण

सांईखेड़ा। जिस प्रकार से देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा एक ओर अपने बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो सभी प्रकार के माप दंडों का उपयोग करते हुए किसानों से पैसा बसूने में उनके घरों में रखी हुई सामग्री तक जप्त करने से नही चूक रही है? मगर वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि बिजली विभाग द्वारा अपनी विद्युत लाईनों के रख रखाब की ओर किसी भी प्रकार का ध्यान नही दिये जाने के कारण प्रति वर्ष क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग की लापरवाही के चलते आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। क्योंकि बिजली विभाग की उदासीनता का परिणाम है कि किसानों के खेतों से निकली हुई बिजली लाईनों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि वह वर्षो पुरानी होने के कारण उनके तार झूला के समान झूलते हुए दिखाई दे रहे है और वह तार जरा से हवा चलते ही एक दूसरे से टकरा जाने की स्थिति में आग की चिन्गारी छोड़ना चालू कर देते है, इसके चलते किसानों के खेतों में खड़ी हुई फसलों में आग लग जाने के कारण किसानों को आर्थिक क्षति का सामना करने के लिए प्रतिवर्ष मजबूर होते हुए देखा जाता है, जिसका उदाहरण इस समय क्षेत्र के अनेक गांवों में देखने भी मिल रहा है जहां पर किसानों के खेतों में खड़ी हुई गन्ना फसल आये दिन आग से जलकर खाक होने से नही चूक रही है, क्योंकि क्षेत्र के गांवों की मेन्टेनेस व्यवस्था पर बिजली विभाग द्वारा ध्यान नही दिये जाने के कारण गांवो में किसानों की सिंचाई हेतु स्थापित किये गये ट्रांसफार्मर भी जल जाते है जिनकों बदलवाने के लिए क्षेत्र के किसानों को बिजली विभाग के अधिकारियों के अनेक चक्कर लगाने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

विभाग के कर्ताधर्ताओं की मिलीभगत के चलते शहर सहित क्षेत्र में अनेक जगहों पर बेधड़क

अटल ज्योति योजना से चल रहे हैं प्रभावशालियों के नलकूप

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

जहां एक ओर इस समय बिजली विभाग द्वारा जिन किसानों के बिजली बिल जरा भी बाकी होता है तो बिजली विभाग द्वारा बिल बसूली के नाम पर सिर्फ उनकी लाईन ही नही काटी जाती है बल्कि उनके घरों में रखी हुई सामग्री की कुर्की करते हुए समाज में अपमानित करने से भी नही चुकता तो दूसरी ओर जेल तक भेजने की कार्यवाही करने में देरी नही की जाती है..? वही दूसरी ओर जब क्षेत्र में बिजली की अधिक खपत होती है और उसका उपभोक्ताओं की मीटरों से मिलना नही होता है तो सीधे साधे आम उपभोक्ताओं के ऊपर ओवर लोडिंग का भार जडते हुये उन्हें मनमाना बिल थमाने में भी कोई कसर नही छोड़ी जाती है। यह पूरी स्थिति उन लोगों के कारण बनती है जो लोग बिजली विभाग के कर्ताधर्ताओं की मिली भगत से जहां खुलेआम अटल ज्योति योजना की लाईनों से अपनी नलकूप चल रहे होते या फिर सीधे तारों से बिजली जोडकर खुलेआम बिजली चोरी करने से नही चूकते है। इस तरह बिजली चोरी रोकने का जिम्मा क्षेत्र में पदस्थ अधिकारियों के हाथों में होता है। मगर जब उन्ही लोगों द्वारा बिजली चोरी की सच्चाई को नजर अंदाज करते हुये अभयदान दिया जा रहा हो तो फिर बिजली चोरी कैसे रूक पायेगी। इस बात की कल्पना आसानी से की जा सकती है...? कुछ इसी प्रकार की स्थिति इस समय सांईखेड़ा, चीचली, सालीचौका, सिहोरा, कौड़िया, पलोहा सहित क्षेत्र के अनेक गों में देखने मिल रही है जहां पर जिम्मेदार अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों की कृपा दृष्टि के चलते खुलेआम अटल ज्योति योजना के लाईनों से लोगों के नलकूप चलते हुये देखे जा रहा है तो दूसरी ओर सीधे तारों से कंटी फसाकर बिजली चोरी होते हुये देखने के बाद भी कर्मचारियों द्वारा अपनी आंखे बंद करते हुये देखा जाना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? जब इस तरह बिजली चोरी के चलते सांईखेडा क्षेत्र में बिजली की खपत का रिकार्ड निर्धारित उपभोक्ताओं की खपत से मेल नही होता है तो नियमों का पालन करने वाले इन उपभोक्ताओं पर बिजली विभाग द्वारा ओवर लोड़िग का आरोप लगाते हुये उन्हें मनमाने बिल थमाने में कोई कसर नही छोड़ते है? मगर वही दूसरी ओर देखा जावे तो कुछ प्रभाव शाली लोगों को बिजली विभाग द्वारा ही संरक्षण देते हुए किस प्रकार से दूसरी योजना के तहत सप्लाई किये जाने बिजली का उपयोग कराया जा रहा है इस बात की सच्चाई क्षेत्र के अनेक गांवों में आसानी से देखने मिल सकती है? इस संबंध में बताया जाता है कि जहां बिजली विभाग द्वारा सरकार की अटल ज्योति योजना के तहत लोगों को गांवों में 24 घंटे बिजली प्रदान करने हेतु अलग लाईन खीची गई है तथा किसानों को अपनी खेती बाड़ी के उपयोग हेतु अलग अलग लाईन प्रदान की गई जिसके चलते जहां खेती बाड़ी के उपयोग हेतु बिजली विभाग द्वारा बिजली प्रदाय करने के लिए निर्धारित समय किया गया है। उसी समय पर बिजली प्रदान की जाती है तथा गांवों में बिजली का उपयोग करने वाले लोगों को अधिक समय तक बिजली प्रदान की जाती है? मगर क्षेत्र के कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा खुलेआम अटल ज्योति योजना के तहत प्रदान की जाने वाली बिजली का धडल्ले से उपयोग किया जा रहा है? जिसमें प्रमुख रूप से देखा जा रहा है कि किसानों के खेतों पर लगी हुई बिजली डीपी शायद बिलों के आभाव में जल लाने के बाद बदली नही जा रही है, जिसके चलते कुछ प्रभावशाली लोगों द्वारा खुलेआम गांव में अटल ज्योति योजना की बिद्युत लाईन से अवैधानिक रूप से कनेक्शन लेते हुए उसका उपयोग किया जा रहा है? मगर हद तो तब हो जाती है जब इस संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी उनके द्वारा किसी भी प्रकार की कार्यवाही न करना इस बात का उदाहरण स्पष्ट हो रहा है कि शायद बिजली विभाग द्वारा ही इस प्रकार से बिजली चोरी करने वालों को शह प्रदान की जा रही है...? क्योंकि क्षेत्र के कुछ लोगों का कहना है कि जब इस प्रकार से अवैधानिक रूप से अटल ज्योति बिजली का उपयोग करने के संबंध में संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जाता है तो वह सूचना देने वाले व्यक्ति के ऊपर ही अपना रौब झाडने से भी नही चुकते है और उसके घर पहुंचकर बिजली चोरी का आरोप लगाते हुये कार्यवाही करने में भी पीछे नही रहते है..? इस बात से तो यह स्पष्ट होता हुआ जान पड़ रहा है कि इस प्रकार से नियम विरूद्ध किये जा रहे अटल ज्योति बिजली के दुरूपयोग के संबंध में बिजली विभाग के अधिकारियों को जानकारी होने के बाद भी कार्यवाही न होना बिजली विभाग द्वारा ही इस प्रकार से प्रभावशाली लोगों को बिजली का उपयोग किये जाने में अपना संरक्षण प्रदान किया जा रहा है? क्योंकि इस प्रकार से धडल्ले इस 11 के व्ही लाईन से कन्टी बनाते हुए जोड़ी गई बिजली लाईन के संबंध में बिजली विभाग के कर्मचारियों को जानकारी न हो यह तो संभव हो ही नही सकता है? जबकि बिजली विभाग के लाईन मेनों द्वारा आये दिन क्षेत्र का भ्रमण करते हुए बिजली लाईनों की जांच की जाती रहती है, और इसके बाद भी इस प्रकार से दूसरी योजना की बिजली का उपयोग करना बिजली विभाग की मिली भगत की देने के आलवा और कुछ नही हो सकता है। जबकि गौर करने वाली बात तो यह है कि इस क्षेत्र के अन्य किसान खेती के लिए प्रदान की जाने वाली बिजली बंद होने के कारण जहां वह अपने खेतों की सिंचाई करने के लिए बंचित हो रहे है? वही दूसरी ओर प्रभाव शाली लोग बिजली विभाग की मिली भगत के चलते जलबे मारते हुए नियम विरूद्ध अटल ज्योति योजना की बिजली का दुरूपयोग करते हुए देखे जा रहे है? जिसके चलते बिजली विभाग के अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर भी अनेक प्रकार के सबाल खड़े होते हुए देखे जा रहे है?

नाबालिग दौड़ा रहे हैं गन्ना से भरी हुई ट्रेक्टर ट्राली, कैसे सुधर पायेगी यातायात व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय क्षेत्र में आये दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्धेश्य से पुलिस द्वारा जिस प्रकार से आये दिन जहां तहां अपना तम्बू लगाते हुए छोटे वाहनों की जांच करते हुए उन्हें यातायात नियमों का पाठ पढ़ाते हुए जिस प्रकार से चलानी कार्यवाही की जा रही है? मगर वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र में अनेक वाहनों को इस प्रकार के नाबांलिक बच्चों को चलाते हुए देखा जाता है कि जो वाहन रोकने के लिए वाहन के ब्रेको तक अपने पैर तक नही पहुंचा पाते है। मगर इसके खिलाफ पुलिस द्वारा कार्यवाही करने में सफल नही होने के कारण जहां पुलिस द्वारा चलाये जाने वाले यातायात सुधार अभियान पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? वही दूसरी ओर इन नाबांलिको के वाहन चलाने के कारण आम लोगों की जिन्दगी को भी खुलेआम खतरा पैदा होता हुआ जान पड़ रहा है? जबकि गौर किया जावे तो गन्ना ढोने वाले वाहनों से क्षेत्र के अनेको जगह होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के चलते लोगों की जाने चली जाती है। मगर पता नही कि प्रशासन इन गन्ना ढोने वाले वाहन चालको पर क्यों मेहरवान होते हुए लोगों की जिन्दगी के साथ खुली खिलबाड़ करने की छूट प्रदान किये हुए है। क्योंकि अक्सर देखा जाता है कि क्षेत्र की शुगर मिलों में लगी हुई गन्ना ढोने वाली ट्राली जहां नियम विरूद्ध एक ट्रेक्टर में डबल डबल ट्राली लगाते हुए परिवहन करते हुए देखी जाती है और कभी कभी तो स्थिति इस प्रकार से भी देखने मिली है कि इन गन्ना से भरी हुई ट्रालियों को इस प्रकार के नाबांलिक चलाते हुए देखे जाते है जिनके ब्रेक तक पैर भी नही पूजते है। इस बात की सच्चाई विगत दिवस उस समय देखने मिली जब एक नाबांलिक किशोर गन्ने से भरी हुई ट्रेक्टर ट्राली को ले जाते हुए देखा गया। इस बच्चे को ट्रेक्टर चलाते हुए देखकर जहां अनेक लोग हैरत में पड़ गये वही पुलिस प्रशासन द्वारा आये दिन चलाये जाने वाले यातायात सुधार अभियान पर भी सबाल खड़े करते हुए देखे गये।

रोटरी क्लब द्वारा शासकीय चिकित्सालय में सफाई कर्मियों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

हर साल देखा जाता है कि जब जनवरी मास की शुरूआत होती है तो लोगों द्वारा इस नया वर्ष का नाम देते हुये अनेक प्रकार के आयोजन करते हुये देखे जाता है। यह उत्सव मात्र धन पैसा से परिपूर्ण रहने वाले लोगों के द्वारा आयोजित करते हुये जहां खुशी में झूमते हुये देखा जाता है। मगर साधरण या फिर छोटी मोटी नगरी के भरोसे अपने परिवार को भरण पोषण करने वाले कर्मचारी सिर्फ बडे लोगों के नया वर्ष मनाने की फोटो सोशल मीडिया पर देखकर ही खुश होकर रहे जाते है। मगर इन लोगों को नव वर्ष की बेला में खुशी मनाने का रोटरी क्लब द्वारा अवसर प्रदान करते हुये सम्मानित करने की जो पहल की गई उसकी लोगों द्वारा सराहना की जा रही है। बताया जाता है कि बीते हुये दिवस नव वर्ष के उपलक्ष में रोटरी क्लब गाडरवारा द्वारा शासकीय अस्पताल में कार्यरत सफाई कर्मचारियों का तिलक लगाने के साथ पुष्प वर्षा करते हुये उन्हें गर्म कपड़े भेंट करते हुये सम्मानित किया गया। रोटरी क्लब की इस अनोखी पहल से सफाई विभाग के कर्मियों के चेहरों पर जहां अनूठी मुस्कान देखने मिली। इस सम्मान समारोह

कार्यक्रम का शुभारंभ श्रेणी में प्रथम पूज्य भगवान गणेश की प्रतिमा पर पूजन के साथ किया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के आलवा हरीश स्थापक, अनिल लूनावत, चिकित्सालय प्रभारी डा. पंथी व डा आशुतोष मेहता सहित अन्य लोग मौजूद थें। इस दौरान रोटरी क्लब के सदस्याओं के साथ अतिथियों द्वारा सभी सफाई कर्मचारियों को पुष्प गुच्छ प्रदान करते हुये सम्मानित करने के साथ नये वर्ष की शुभकमनाये प्रदान की गई। वही कार्यक्रम को संबंधित करते हुये रोटरी क्लब अध्यक्ष रोटे.मनीष जायसवाल द्वारा अपने स्वागत भाषण में कहा कि रोटरी क्लब का एक मात्र उद्वेश्य रहा है कि पीड़ितो की सहायता करना। आज हमे बडी खुशी हो रही है कि सफाई विभाग से जुडे लोगों को सम्मानित करने का अवसर मिला है। क्योंकि सफाई कर्मी देव तुल्य होते है। अक्सर देखा जाता है कि जब किसी जगह अधिक दिनों तक पड़ी रहने वाली वस्तु बदबू मारने लगती है तो हम वहां से निकलने में भी अनेको बार सोचने के लिये मजबूर हो जाते है। मगर हमारे सफाई करने वाले भाई बहिन बगैर किसी झिझक के उसे अपने हाथों से साफ करने में पीछे नही रहते है। सही मायने में देखा जावे तो इन लोगों के कारण ही हम लोग स्वास्थ्य रहते है। इसी प्रकार से रोटे.मिनेंद्र डागा द्वारा भी सफाई कर्मचारी के कार्य पर बोलते हुये कहा कि जिस तरह सफाई करने वाले भाई बहिन बारिश का मौसम हो या फिर कोई भी समय हम लोगों को जिस तरह स्वच्छ वातावरण प्रदान करते है उसके लिये हम लोगों को सदा इनका आभारी होना चाहिये। हम देखते है कि जब किन्ही कारणों के चलते एक दिन नगर व स्थलों की सफाई नही होती है तो वहां की सूरत बदहाल होने से नही चूक पाती है। यदि हमारे सफाई करने वाले भाई बहिन उस गंदगी को साफ नही करेगे तो हम लोगों को स्वच्छ वातारण मिलना ही बंद हो जावेगा। जिस तरह डाक्टरों द्वारा मरीज की जान बचाने के लिये बगैर किसी भेंद भाव के उपचार करने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है इसी के चलते डाक्टरों को इस धरती के भगवान की उपमा दी जाती है। उसी प्रकार से यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो हमे शुद्व वातावरण उपलब्ध कराने में इन सफाई विभाग के भाई बहिनों का पूरा योगदान रहता है। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसडीओपी रत्नेश मिश्रा द्वारा सफाई कर्मचारियों के कार्य को सेल्यूट करते हुये उन्हें शुभकामनाएं देते हुए!उनके कार्य को विशिष्ट बताया गया। वही चिकित्सालय डा. पंथी द्वारा अस्पताल की व्यवस्थाओं के लिए सफाई कर्मचारियों विशेष सहयोग बताया गया! कार्यक्रम का संचालन रोटे.नीलेश साहू द्वारा किया गया एवं आभार सचिव रोटे. अभिषेक बड़कुर द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रोटी क्लब सदस्य सुरेंद्र साहू, अशोक राजपूत, अरुण तिवारी, मनोज राय, संजय गुप्ता, सुनील श्रीवास्तव के आलवा चिकित्सालय के अन्य अधिकारी व कर्मचारियों सहित प्रकाश चौरसिया,हरीश स्थापक, विनोद गुप्ता सहित अन्य लोग मौजूद थें।

नर्मदा जलापूर्ति के लिये गांव गांव खोदी गई सड़कों को लेकर आमजन हो रहे परेशान तो मासूम बच्चों की जिन्दगी को पैदा हो रहा खतरा...?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका।

सरकार की योजना लोगों के घरों तक नर्मदा जल पहुंचाने को लेकर किया जा रहा है निर्माण कार्य निश्चित तौर से जहां आम लोगों के लिये परेशानी का कारण बन रहा है तो दूसरी ओर लगातार शासकीय संपत्ति को क्षति पहुंचाने से भी नही चूक रहा है? सही मायने में देखा जावे तो जिस तरह सरकार द्वारा नर्मदा जल लोगों के घरों तक उसे घरेलू उपयोग में लाने का प्रयास किया जा रहा है उससे आमजन के दिलों की धार्मिक भावना को ठेंस पहुंचने से इसलिये नही चूक पा रही है। क्योंकि माँ नर्मदा जी का जल सिर्फ आचमन करने से मानव जीवन धन्य हो जाता है और इसी के चलते इस पवित्र जल को लेकर अपने घरों में पूजन के लिये उपयोग करते है। मगर सरकार की इस योजना से जहां लोगों के घरों में इसकी जलापूर्ति करते हुये उसे सभी कार्यो में उपयोग करने की जो योजना बनाई जा रही है उसके चलते निश्चित तौर से लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेंझ पहुंचने से नही चूक पायेगी? वही दूसरी जिस तरह नर्मदा जलापूर्ति के लिये शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में पाईप लाईन बिछाने के लिये निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वारा लाखों

रूपया की लागत से बनी हुई नवनिर्मित शासकीय सड़को की खुदाई करते हुये शासन की संपत्ति को क्षति पहुंचाई जा रही है वह निश्चित ही अनेक सबालों को जन्म देने के साथ साथ आम लोगों के लिये परेशानी का कारण साबित होते हुये देखने मिल रही है? बताया जाता है कि नियम के अनुसार जब किसी पाईप या फिर अन्य कार्य का विस्तार किया जाता है तो उसे सड़क किनारे से खुदाई करते हुये जमीन के अंदर डाला जाता है जिसके चलते यदि बाद में जब कोई गड़बड़ी पैदा हो तो उसका सुधार कार्य किया जा सके शहर या फिर गांव के अंदर सड़क किनारे खुदाई का कार्य मजदूरों के माध्यम से कराया जाता है। मगर निर्माण कार्य करने वाली एजेन्सी द्वारा अपने स्वार्थ तथा मजदूरों में खर्च होने वाल राशि को बचाने की सोच रखते हुये शहरों के अंदर मशीनों के माध्यम से लाखों रूपया की लागत से बनाई गई पक्की सड़को को बीचों बीच खोदते हुये उन्हें क्षति पहुंचाते हुये देखा जा रहा है। क्योंकि मशीन के माध्यम से सड़क के किनारे खुदाई हो पाना जहां असंभव होता है और यदि निर्माण कार्य करने वाली कंपनी द्वार मजदूरों के माध्यम से खुदाई कराती है तो उसमें समय तथा लागत अधिक लगेगी? इसी के चलते पक्की सड़क जर्जर होने से नही बच पा रही है तो दूसरी ओर इन सड़कों को शहर के अंदर खोदकर महीनों तक इसी तरह छोड़ देने के कारण लोगों को अपने घरों तक वाहन ले जाना मुश्किल होते हुये देखा जा रहा है। इस बात की सच्चाई नगर सहित आस पास के गांवों में देखने मिल सकती है जहां पर पाईप लाइन डालने के लिये कई दिनों पहले मुख्य सड़को के किनारे खुदाई करते हुये छोड़ देने के कारण हालत यहां पर इस तरह बने हुये है कि लोग अपने बड़े वाहन तो दूर छोटे वाहन तक अपने घरों तक ले जाने में परेशान होते हुये देखे जा रहा है। अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि यदि इस स्थिति में किसी के घर कोई गंभीर स्थिति पैदा होती है तो उसके घर तक शासन की एम्बुलेंस पहुंचने की कल्पना करना निश्चित तौर से बेमानी साबित होने से नही चूक पायेगी और बीमार होने वाले व्यक्ति का भगवान ही मालिक हो सकता है? इस तरह शहरों के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में जहां तहां खुदी पड़ी हुई सड़क के चलते आये दिन मासूम बच्चों को यहां पर गिरकर घायल होना आम बात बन चुकी है।

ग्राम पलेरा माध्यमिक स्कूल के बच्चों को शैक्षणिक भ्रमण के दौरान गोटीटोरिया की वादियों से कराया रूबरू

हरिभूमि न्यूज/बारहाबड़ा। क्षेत्र में प्रकृति ने जिस तरह अपनी चादर फैलाई गई है उस सच्चाई से निश्चित तौर से हमारे क्षेत्र के बच्चों को शायद जानकारी भी नही होगी। स्कूलों में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं को निजी शिक्षण संस्थाओं द्वारा देखा जाता है कि हर साल वह शैक्षणिक भ्रमण के नाम पर अभिभावको की जेबों पर डाका डालते हुये बडे बडे शहरों को ले जाने के नाम पर सिर्फ मटर गस्ती का पाठ पढ़ाते हुये देखे जाते है। जबकि सच्चाई पर गौर किया जावे तो गाडरवारा तहसील क्षेत्र के अंतर्गत अनेक जगहो पर प्रकृति की जो चादर फैली हुई है उसे नजर अंदाज कर दिया जाता है। यदि बच्चों को क्षेत्र का ही भ्रमण कराया जावे तो जंगलों में निवास करने वाले वन्य प्राणियों से लेकर यहां की अन्य सच्चाईओं से अवगत कराया जा सकता है तो दूसरी ओर यहां के भ्रमण से निश्चित ही सतपुड़ा जंगल के मनोहर दृश्य बच्चें बगैर किसी या फिर कम खर्च पर देख सकते है। कुछ इसी प्रकार से इस समय चल रहे शीतकालीन अवकाश के दौरान पूर्व बैगलेस गतिविधियों के अंतर्गत ग्राम पलेरा के एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ गोटीटोरिया अंचल के पर्यटन स्थल छोटा जबलपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। बताया जाता है कि इस भ्रमण के दौरान प्रधान पाठक मनीष श्रीवास्तव ने छात्र छात्राओं को छोटा जबलपुर के प्राकृतिक सौन्दर्य से जुडी जानकारियों से अवगत कराते हुये उन्होंने छात्र छात्राओं को विभिन्न प्रकार के पेड़ पौधे दिखाते हुए उनका आयुर्वेद मे महत्तव बताया गया। इस दौरान उन्होंने बच्चों को वहाँ पत्थरो से काटकर बनने वाली आकृतियों को दिखाया एवं उन आकृतियों से बनने वाले कोणों के बारे मे भी प्रश्न पूछे गये। इस अवसर पर चट्टानों के पास जाकर उनके विषय मे भी छात्र छात्राओं को बताया गया। इसके अलावा पक्षियों एवं जंगली जंतुओ के जीवन से जुडी जानकारी भी दी गईं। इस शैक्षणिक भ्रमण मे छोटा जबलपुर के अति सुंदर प्राकृतिक परिवेश को देखकर छात्र छात्राएँ अत्यंत प्रसन्न एवं रोमांचित हुए।

खबर संक्षेप

29 प्रतिभागी संभाग स्तरीय युवा उत्सव में हुए शामिल

डिंडोरी। भारत सरकार व राज्य शासन के निर्देशानुसार वर्ष 2024 में नेहरू युवा केन्द्र, राष्ट्रीय सेवा योजना व खेल और युवा कल्याण के संयुक्त तत्वाधान में "जिला स्तरीय युवा उत्सव" का आयोजन 23 दिसम्बर 2024 को जिला मुख्यालय स्थित दीदी कैफे डिण्डौरी में सम्पन्न हुआ। उक्त आयोजन में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में चयनित 29 प्रतिभागियों का दल संभाग स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने के लिए होटल शहडोल 2 जनवरी 2025 को रवाना हुए। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अनिल कुमार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री जगन्नाथ मरकाम ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए शहडोल के लिए रवाना किया। संभाग स्तरीय युवा उत्सव में जिले से विज्ञान मेला (एकल) में शिवम भान कुशराम, कु स्नेहा श्रीवास्तव, भाषण प्रतियोगिता में कु. हुसैनी शुजात शेख, कु. यशस्वी राव, कहानी लेखन प्रतियोगिता में कु योगिता दुबे, कु प्रियल जैन, कविता लेखन प्रतियोगिता में कु रागिनी ब्यौहार, क मनाली धुर्वे, पेंटिंग प्रतियोगिता में तनिष्क बैरागी, अबीर नामदेव, समूह लोक नृत्य प्रतियोगिता में गुलाब सिंह मरावी, माखन सिंह मरावी, राजेन्द्र कुमार धुर्वे, नंद कुमार परस्ते, भगत सिंह उद्दे, गजेन्द्र कुमार धुरै, कु. किरण तैयाम, कु वदाकली धुर्वे, कु रवीना मरावी, समूह लोक गायन प्रतियोगिता में अजय यादव, गौरव नंदा, कु रिया पारस, कु शिवांगी सिंह, कु. माधुरी धार्वे, कु, साक्षी मरावी, कु, कामनी परमार, कु. रागनी परस्ते, कु. साक्षी पाराशर, कु, नेहा नंदा सहभागिता करेंगे। जिले के दल को नारायण सिंह मरावी, संतोषी यादव, लक्ष्मी बनावल युवा समन्वयक के मार्गदर्शन में रवाना किया गया। दल रवानगी के अवसर पर खेल विभाग के अधिकारी/कर्मचारी के साथ-साथ प्रतिभागियों के पालक मौजूद रहे।

रेलवे मजदूर कांग्रेस ने नवागत डीआरएम से की अनौपचारिक मुलाकात

अनूपपुर। बिलासपुर मंडल के नवागत डीआरएम राजमल खोईवाल के प्रथम अनौपचारिक मुलाकात व स्वागत रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के मंडल समन्वयक बी कृष्ण कुमार के नेतृत्व में मजदूर कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने किया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी बिलासपुर अंशुमन मिश्रा भी उपस्थित रहे, मजदूर कांग्रेस बिलासपुर प्रतिनिधि मंडल में केन्द्रीय पदाधिकारी जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव, केन्द्रीय कोषाध्यक्ष डीके स्वाइन, संयुक्त महामंत्री विजय अग्निहोत्री, अतिरिक्त संयुक्त महामंत्री अर्बन बैंक डायरेक्टर आर के यादव, जी एस आईच व राजकुमार साडें, लोकतांत्रिक ट्रैक मेंटेनर एसोसिएशन के संयुक्त महामंत्री शुभम उपाध्याय, महिला रेलवे मजदूर कांग्रेस से पी वी सुभाषिनी, श्रीमती सृष्टि दास, कार्मिक विभाग से राजकुमारी अन्य रेलवे मजदूर कांग्रेस के पदाधिकारी एम डब्लू इस्लाम, गोपी राव, आर के दास, राणा नंदी, रतीन्द्र कुमार धल आदि उपस्थित रहे। नवागत डीआरएम राजमल खोईवाल के प्रथम अनोपचारिक मुलाकात में रेलवे मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के मंडल समन्वयक बी कृष्ण कुमार ने प्रमुखता से ट्रैक मेंटेनर साथियों की महत्वपूर्ण मुद्दे नाइट पेट्रोलिंग को 16 से कम कर 12 किलोमीटर किया जाए, साइकिल अलाउंस का आदेश जारी हो, रनिंग कर्मचारियों के प्रमुख मांग एमएसीपी देने की मांग व रनिंग कर्मचारियों के कार्यप्रणाली का जेपीओ जारी कर नियमानुसार कार्य कराया जाए।

राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप में अनूपपुर के मुरतजा खान का चयन

अनूपपुर। इंडियन गेम्स एंड स्पोर्ट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 12वीं राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप 2025 के लिए अनूपपुर जिले के तुलरा गांव के निवासी मुरतजा खान का चयन किया गया है। यह प्रतिष्ठित चैंपियनशिप ग्वालियर में आयोजित की जाएगी। मुरतजा का चयन उनकी बेहतरीन प्रतिभा और कठिन परिश्रम का प्रमाण है। प्रतियोगिता की तिथियां और अन्य आवश्यक जानकारी चैंपियनशिप से 15 दिन पहले प्रदान की जाएगी। मुरतजा के चयन से न केवल उनके परिवार में खुशी की लहर है।

पेयजल की किल्लत झेल रहे ग्रामीण : सड़क निर्माण के दौरान जल मिशन के उखड़ गए पाइप

डिंडौरी

जिले के करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मुसामुंडी तथा चंदना पंचायत के चार वार्ड के सैकड़ों परिवार के इन दिनों बूंद-बूंद पानी के लिए मोहताज हैं। क्योंकि कई माह पूर्व हाइवे चौड़ीकरण के लिए खोदे गए पटरी के नीचे दबे जलजीवन मिशन योजना के पाइपों में खराबी आ गई थी और पानी सप्लाई बंद हो गया था, हैरानी की बात है कि इतना लंबा गुजर गया फिर भी आज तक उन क्षतिग्रस्त पाइप को सुधारा नहीं गया वर्तमान में पेयजल को लेकर गांव की स्थिति दयनीय हैं स्त्री हो या पुरुष सभी पानी के लिए दिन रात जद्दोजहद करते देखे जा सकते हैं, हालांकि यहां के वास्तविक स्थिति से सभी अवगत हैं बावजूद अब तक न तो सड़क बनाने वाले ठेकेदार ने पाइप लाइन में मरम्मत कराना जरूरी समझा और न ही जलजीवन मिशन योजना से काम कर रहे ठेकेदार ने ध्यान दिया परिणामस्वरूप योजना के लाभ से वंचित नागरिक पीड़ा झेलने मजबूर हैं।वर्तमान में गांव की स्थिति -यहां इस बात का उल्लेख करना आवश्यक है कि मुसामुंडी और चंदना यानि दो पंचायतों की सीमा से सटे गांवों में चार वार्ड के लोग निवास करते हैं वैसे तो पानी को लेकर पूरे पंचायत क्षेत्र में हाहाकार की नौबत हैं किंतु इन दिनों पानी को लेकर चार वार्ड में अधिक दिक्कत हैं क्योंकि यहां न तो प्राकृतिक जलस्त्रोत के साधन है और न ही हैंडपंप केवल नीचे मोहल्ला में नर्मदा मंदिर के पास एक हैंडपंप चालू स्थिति में हैं इसी से पूरा गांव पानी भरता हैं यह एक मात्र हैंडपंप हैं जो हमें निरंतर पानी दे रहा हैं शेष पानी नहीं निकाल पाते इस हैंडपंप में भी पानी भरने वालों को भीड़भाड़ और खटर पटर से बचने के लिए अंधेरे से जागना पड़ता हैं तब जाकर समय पर पानी मिलता हैं वरना इतनी भीड़ हो जाती हैं कि अन्य लोगों को अपनी बारी का इंतजार करते करतें दिन चढ़ जाता हैं लेकिन लोग पानी नहीं भर पाते । बंद पड़ा जलजीवन मिशन योजना -हिरिया बाई बनवासी,लमिया बाई यादव,सुखराम बनवासी,कुंती बनवासी,दयाराम धुर्वे,मनोज मरावी, ने बताया कि यहां चंदना पंचायत के जलजीवन मिशन योजना से मुसामुंडी पंचायत के दो वार्डों को जोड़ कर पाइप लाइन का विस्तार करते हुए विभाग द्वारा प्रतिदिन पानी देने का दावा किया गया था मगर विभाग का वह दावा यहां फेल हो चुका है सिर्फ टेस्टिंग के दिन चालू कर लोगों को दिखा दिया कि पानी आ रहा है फिर उस दिन के बाद से आज तक दोबारा चालू नहीं किया गया वहीं ग्रामीणों द्वारा जब योजना के संचालन के बारे में जवाबदारों से जानना चाहें तो कोई यह बताने वाला नही है कि क्यूं चालू नहीं कर रहें हैं और कब तक करेंगे इन्होंने ने बताया कि यदि इस योजना का सतत लाभ ग्रामीणों को मिलता तो शायद ग्राम के अंदर पेयजल के समस्या की ऐसी दिक्कत वाली स्थिति नहीं बनती मगर अफसोस इसे प्रारंभ नहीं किया गया और ग्रामीण इस लाभ से वंचित हैं

जल्द ठीक कराया जाएं -मंगल सिंह आर्मो, कन्हैया आर्मो ग्रामीणों का कहना है कि उन्हें पानी की किल्लत के कारण बहुत परेशानी हो रही है। वे अपने दैनिक कार्यों के लिए पानी की व्यवस्था करने के लिए मजबूर हैं।हालात ऐसे हैं कि स्थानीय नागरिक बच्चों समेत खुद पेयजल की तलाश में साइकिलों से बर्तन रख निकलते हैं तब जाकर पीने लायक पानी मिल पाता है यघपि ऐसे में प्रभावित क्षेत्रों के पुरुष वर्ग दूसरे कामों को करने के लिए समय नहीं निकाल पाते उनका सारा समय पानी भरने में ही खर्च हो जाता हैं । देवी सिंह मरावी,बबलू आर्मो रोहित आर्मो सहित ग्रामीणों का आरोप हैं कि ठेकेदार की मनमानी और विभाग के जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण यह महत्त्वकांक्षी योजना शुरू होने से पहले बंद हो गया। क्योंकि इस मामले के समाधान के लिए ग्रामीणों ने अधिकारियों से कई बार शिकायत की है, लेकिन अभी तक कोई हल नहीं निकला जिसके चलते लोग बेहद आक्रोशित हैं।इस मामले में संबंधित विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वे इस समस्या का समाधान करने के लिए काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संभवतया अविलंब व्यवस्था बनाकर पानी सप्लाई शुरू कर दिया जाएगा दो पंचायत के सैकड़ों पीड़ित नागरिकों को भी उम्मीद है कि जल्द ही उनकी पानी की समस्या का समाधान होगा। वे संबंधित अधिकारियों से अपील करते हैं कि वे इस समस्या का समाधान करने के लिए तेजी से काम करें।

यहां भी समस्या

माधोपुर के ग्रामीण कंधी यादव नर्बदा प्रसाद मरावी, चंदिका प्रसाद साहू,छोटलाव आयाम राजकुमार यादव,ने बताया कि इसी टंकी से यहां पानी सप्लाई किया जाना है टेस्टिंग के समय केवल दो दिन पानी चालू किया गया लगभग छः माह से पानी सप्लाई बंद हैं।

इनका कहना है-

सड़क निर्माण के दौरान पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गया था एक बार सुधार करवाएं लेकिन फिर खराबी आ गई माधोपुर में शुक्रवार से पानी मिलने लगेगा, जबकि सुधार कार्य के बाद पिंजरहाटोला के ऊपर मोहल्ले में सोमवार तक पानी चालू करवा दिया जाएगा।

अंशुल बिसेन

इंजिनियर पीएचई विभाग करंजिया

जलजीवन मिशन योजना यहां फेल हैं ठेकेदार सहित विभाग को तत्संबंध अवगत कराने के बाद भी समाधान नहीं किया जा रहा लोग बूंद बूंद के लिए भटक रहें हैं यदि शीघ्र ही पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था नहीं की गई तो हमें आंदोलन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

कपिल आर्मो

सरपंच मुसामुंडी पंचायत।

दोपहिया वाहनों की आमने सामने टक्कर में चाचा भतीजे की मौत, 3 घायल

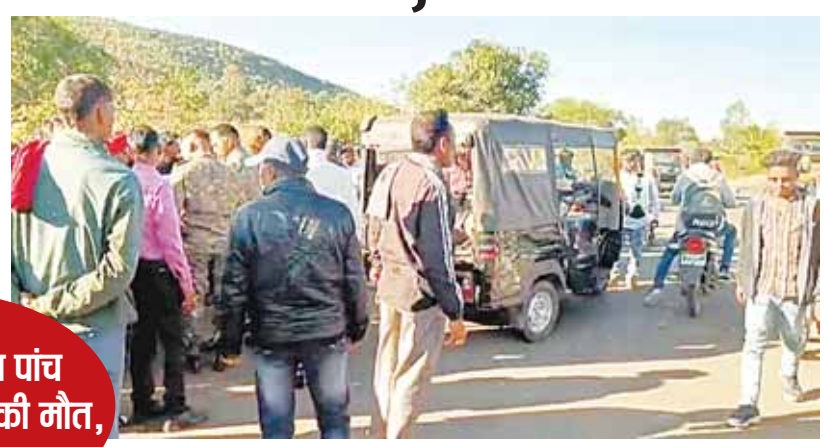

वाहन चालक के साथ पांच वर्षीय बच्चे भतीजे की मौत, तीन घायल

डिंडौरी । जिले के करंजिया विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत भुसंडा के पटवारी टोला में लखनपुर जाने वाले मार्ग के पास घाट के ऊपर बुधवार की शाम चार बजे के लगभग दोपहिया वाहन के आपस में टकराने से चाचा भतीजा की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक चंद्रप्रकाश पिता मुरारीलाल 22 निवासी रहटा पकरी, अपने भाभी और भतीजे भतीजी के साथ दोपहिया वाहन से गोरखपुर कस्बा आ रहा था तभी यह हादसा हो गया, दुर्घटना में चंद्र प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई जबकि उसका भतीजा संस्कार संदीप कश्यप 4 की कस्बा के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार के दौरान सांसे थम गई। जबकि गंभीर रूप से घायल महेंद्र पिता इंद्रलाल 18 ग्राम सरवाही,मोहन पिता मनीष 20 रीनू कश्यप पति संदीप रहटा पकरी को प्राथमिक उपचार के बाद आगे के इलाज के लिए डिंडौरी की ओर रिफर कर दिया गया। बताया गया कि जोरदार टक्कर लगने से वाहनों के परखच्चे उड़ गए हैं मौके पर पहुंची गाड़ासरई की पुलिस ने घायलों को वाहन से रवाना कर मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा हैं और दुर्घटना के संबंध में आगे की विवेचना कार्रवाई करने जुट गया हैं।

नववर्ष की खुशियां मातम में बदल गई -

नववर्ष का पहला दिन मृतक परिवार के लिए काल बनकर आया किसी ने सपने में भी नहीं सोचा था कि साल के पहले दिन ऐसा हादसा होगा यघपि इस परिवार पर हुए अचानक वज्रपात ने इनके साथ साथ पूरे ग्राम के नववर्ष की खुशियों को मातम में बदल दिया लोग इस घटना से बेखबर नववर्ष के जश्न में डूबे थे वहीं घटना की खबर लगते ही गांव में मातम पसर गया जिसने भी सुना वह अवाक रह गया जबकि स्वजनों का रो रो कर बुरा हाल हैं ।

चीख पुकार मच गई -

स्थानीय नागरिकों ने बताया कि दोनों वाहनों में जबरदस्त भिड़ंत की आवाज दूर तक सुनाई दी तो लोग भागकर घटना स्थल पहुंचे हालांकि आम रास्ता और मढ़ई के कारण लोगों का आना-जाना लगा था हादसे के बाद घटनास्थल पर घायलों की चीख पुकार मच गई स्थानीय व राहगीरों ने तत्काल राहत कार्य प्रारंभ करते हुए सभी घायलों को संभालते हुए आटो टैक्सी में बैठाकर उपचार हेतु रवाना किया।

बिछिया में तीन दिवसीय मड़ई मेले का हुआ आयोजन

शहपुरा। डिंडोरी जिला अन्तर्गत शहपुरा क्षेत्र ग्राम पंचायत बिछिया में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी वर्ष के अंतिम दिन तीन दिवसीय मड़ई मेला का शुभारंभ हुआ। पहले दिन मड़ई में बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और खरीदी करने के साथ पकवानों का स्वाद लिया। दूसरे दिन बुधवार को नए वर्ष के पहले दिन बड़ी संख्या में लोग परिवार सहित मड़ई का आनंद लेने पहुंचे। बच्चों सहित युवाओं ने झूल-झूलकर मड़ई का आनंद उठाया। ग्रामीणों ने रोजमर्रा की जरूरत की सामग्री की दुकानों से खरीदी की। गौरतलब है कि जिले सहित जबलपुर, शहडोल, अनूपपुर, मंडला, बालाघाट सहित आसपास के जिलों से भी व्यापारियों द्वारा विभिन्न सामग्रियों की दुकानें लगाई गई हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि कड़ाके की ठंड के चलते भी मड़ई में लोगों का उत्साह कम नजर नहीं आया और लोग बड़ी संख्या में मड़ई मेला घूमने पहुंचे। युवक-युवतियां अपने-अपने हाथों में आकर्षक टैटू भी बनवाते नजर आए। लोगों की जरूरत को देखते हुए बाहर से आए व्यापारियों द्वारा लगाई गई कंबल और ऊनी कपड़ों की दुकानों में भी लोगों द्वारा खरीदी की गई।

झरिया सेवा समिति द्वारा संचालित नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन

शहपुरा - डिंडोरी जिला के शहपुरा नगर में प्रतिमाह 2 तारीख को झरिया मेहरा धर्मशाला में विशाल नेत्र शिविर का आयोजन किया जाता है। आज दिन गुरूवार 2 जनवरी को नेत्र प्रशिक्षण शिविर में अलग-अलग ग्रामों से आए लगभग 40 मरीजों का परीक्षण उपरांत ऑपरेशन के लिए चित्रकूट भेजा गया नेत्र प्रशिक्षण शिविर में झारिया (मेहरा) युवा संघ के प्रांतीय अध्यक्ष लाला प्रसाद झारिया पत्रकार संदीप गोलिया के द्वारा स्वल्पाहार की व्यवस्था की गई उक्त शिविर में झारिया सेवा समिति शहपुरा के संरक्षक शोभाराम झारिया, कोषाध्यक्ष पृथ्वी झरिया, सुरेश झारिया, नत्थू लाल झारिया, हर प्रसाद झारिया जी अंकित झारिया अखिलेश झारिया के उपस्थिति में संपन्न हुआ।

जबलपुर अमरकंटक मार्ग में हुआ सड़क हादसा

हादसे में मोटरसाइकिल चालक हुआ गंभीर रूप से घायल

शहपुरा। आपको बता दे की डिंडोरी जिला के जबलपुर अमरकंटक नेशनल मार्ग शहपुरा क्षेत्र कोहानी देवरी गांव के पास नेशनल हाईवे पर एक बाइक सवार क्रॉसिंग करते समय अनियंत्रित हो गया और बाइक से गिर गया जिसमें गंभीर रूप से घायल हो गया शाहपुरा पुलिस मानवता दिखाते हुए तत्काल घायल युवक को पुलिस वाहन में बैठाकर तत्काल पहुंचाया शहपुरा अस्पताल घायल युवक का शहपुरा अस्पताल में इलाज जारी है।

नए वर्ष में नर्मदा तट, किकरकुंड जलप्रपात एवं श्रीरामधुन कीर्तन में रही भीड़

मेंहदवानी। मेंहदवानी क्षेत्र में कैलेण्डर नव वर्ष के आगमन पर श्रद्धालुओं ने मां नर्मदा नदी डुबकी लगाकर पूजन अर्चन कर नए वर्ष में सुख समृद्धि की कामना की। युवा वर्ग भी नर्मदा नदी में डुबकी लगाकर पूजन अर्चन किया और नर्मदा तट पर ही भोजन पकाकर खाया और खूब इन्जवॉय किया तथा नए वर्ष का स्वागत किया। किकरकुंड जलप्रपात में भी युवाओं की भारी भीड़ रही जहां सभी वर्ग के लोग रहे। विकास खंड मुख्यालय मेंहदवानी में नए वर्ष के आगमन पर प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी हनुमान मंदिर सहना टोला में में श्रीरामधुन कीर्तन का आयोजन किया गया जो 31दिसम्बर को प्रारंभ किया गया और 1 जनवरी को विशाल भंडारे के साथ समापन किया गया। संगीतमय श्रीरामधुन कीर्तन में पूरा गांव शामिल रहा और उत्साह के साथ नाचते झूमते गाते परिक्रमा करते रहे।

युवा क्रिकेट क्लब की वाई एस सी अमरपुर पर शानदार जीत

डिंडोरी अमरपुर। जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम नांदा में टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया हैं। जिसमें गुरुवार को वाई एस सी अमरपुर एवं युवा क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला गया। जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वाई एस सी अमरपुर ने निर्धारित 10 ओवरों में 40 रन बनाकर 41 रनों का लक्ष्य युवा क्रिकेट क्लब के सामने जीत के लिए रखा। जिसमें अमजद खान ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 25 रनों का योगदान दिया। वहीं पर युवा क्रिकेट के क्लब की ओर से सचिन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट, दुर्गेश एवं मोहन यादव ने क्रमशः दो, दो विकेट व जयदीप दुबे ने एक बल्लेबाज को आउट किया। वाई एस सी की तरफ से अन्य कोई बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी पार नहीं कर सके। 41 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करने उतरी युवा क्रिकेट क्लब की शुरुआत काफी खराब रही। प्रारंभिक 5 बल्लेबाज 10 रन के अंदर ही पवेलियन लौट गए। परंतु जयदीप दुबे एवं सचिन मरावी की शानदार बल्लेबाजी के बदौलत युवा क्रिकेट क्लब ने अपने लक्ष्य को 7 विकेट खोकर हासिल कर लिया। जयदीप ने नाबाद रहते हुए 14 रन की पारी खेली। वहीं सचिन ने एक छक्के की मदद से 12 रनों का योगदान अपने टीम को दिया। वाई एस सी की तरफ से अमजद खान ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट तथा रोशन ने दो खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा। सचिन को उनके दोहरे प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ दा मैच के पुरस्कार से समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

10 लाख रुपए की लागत से बनी सी सी सड़क दो वर्ष में हुई क्षतिग्रस्त

अमरपुर

जनपद पंचायत अमरपुर क्षेत्रांतर्गत ग्राम पंचायत कमरा सोढ़ा के पोषक ग्राम लालपुर में बनी सीमेंट कांक्रीट सड़क निर्माण जोकि आंगनबाड़ी से प्रेमलाल के घर तक बस्ती विकास मद से 10 लाख रुपए की लागत से किया गया। जोकि दिसंबर 2022 में निर्माण किया गया। जोकि वर्तमान में काफी हद तक उखड़ चुकी हैं। जिस सड़क की चौड़ाई भी बहुत ही कम बनाई हैं। जोकि अधिकतम चार इंच ही होगी। ग्रामीणों का आरोप हैं कि सड़क की लंबाई, चौड़ाई और मोटाई भी बहुत कम बनाई गई हैं। फिर भी सड़क निर्माण की पूरी राशि का आहरण किया जा चुका हैं। जिस मार्ग में गांव के लोग ही चलते हैं। अगर कोई बड़ा वाहन निकल जाए तो पूरी सड़क क्षतिग्रस्त हो जाएगी। पंचायत का वार्ड पंच आशाराम का कहना हैं कि सड़क दो, तीन इंच मोटी बनाई गई हैं। कुछ कहने पर सरपंच के परिवार के लोग धमकी देते हैं। उनके द्वारा पूर्व में ही जनपद पंचायत में मौखिक शिकायत की गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सीईओ साहब को लिखित शिकायत करेंगे, फिर भी कार्यवाही नहीं होगी तो धरना प्रदर्शन भी करेंगे।

इनका कहना हैं:

मामला दो वर्ष पुराना हैं, आज उपयंत्री भी नहीं हैं। जानकारी लेकर ही कुछ कह सकता हूं।

लोकेश नारनौरे

सीईओ अमरपुर

खुशबू नेताम ऊंची कूद में राष्ट्रीय खिलाड़ी बनी

68 वीं स्कूल गेम्स फेडरेशन एथलेटिक्स की राष्ट्रीय स्पर्धा झारखंड में करेगी प्रदेश का प्रतिनिधित्व

डिंडोरी

कलेक्टर हर्ष सिंह के निर्देशन एवं संतोष शुक्ला सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के मार्गदर्शन में शालेय खेल कैलेंडर 24-25 के अनुसार जिले में शालेय खेलकूद की प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। 68 वीं शालेय एथलेटिक्स की स्पर्धा रांची झारखंड में दिनांक 05 से 08 जनवरी 2025 तक आयोजित की जा रही है,। जिसमें जिले का खिलाड़ी छात्रा खुशबु नेताम पिता झामेश्वर नेताम सीएम राइज विद्यालय शहपुरा की छात्रा मध्य प्रदेश के दल से ऊंची कूद में प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लें रही है।पी एस राजपूत जिला क्रीड़ा अधिकारी जनजाति कार्य विभाग ने जानकारी में बताया कि खिलाड़ी छात्रा ने विद्यालय, विकासखंड ,जिला, संभाग, विभागीय राज्य एवं शालेय राज्य स्तर तक कुल सात स्तरों की प्रतियोगिताओं में भाग लिया था। इनके ऊंची कूद में सर्वोत्तम रिकॉर्ड 6.8 से सीनियर वर्ग बालिका में किसी भी एथेलीट ने क्रॉस नही करने से खुशबु नेताम राष्ट्रीय खिलाड़ी बनी। 30दिस्बर से 3 जनवरी 2025 तक छतरपुर में विशेष कोचिंग प्राप्त करने के बाद 03जनवरी 25 को मध्य प्रदेश का दल राष्ट्रीय स्पर्धा झारखंड के लिए रवाना होगा। एथलेटिक्स कोच नवीन खरगाल के कुशल प्रशिक्षण, कठिन मेहनत एवं मार्गदर्शन से विद्यालय ,जिला एवं विभाग को गौरवान्वित करते हुए मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी की उपलब्धि प्राप्त होने पर डा संतोष शुक्ला सहायक आयुक्त जनजाति कार्य , प्राचार्य यशवंत साहू, डी के श्रीवास्तव, संदीप सोनी,पी डी पटेल, पी एस राजपूत जिला क्रीड़ा अधिकारी जनजाति कार्य, प्रशिक्षक अनिल लोधी ,परवेज खान, रमा साहू ,नवीन खरगाल, जागेश्वर नंदा, अमर साहू , विद्यालय स्टाफ एवं खेल प्रेमियो ने हर्ष व्यक्त करते हुई छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना की है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

[करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल]

जबलपुर, शुक्रवार 3 जनवरी 2025

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

पत्रकार को धमकी, आरोपियों पर कार्रवाई की मांग

गोटेगांव । नरसिंहपुर जिले के वरिष्ठ पत्रकार और अभयवाणी अखबार के संपादक अभय बानगात्री को हाल ही में जान से मारने की दो धमकियां मिली हैं। बानगात्री ने जनहित से जुड़े कई गंभीर मुद्दों पर रिपोर्टिंग कर कई खुलासे किए हैं,जिसके चलते उन्हें धमकियां दी जा रही हैं।पहली धमकी नरसिंहपुर के एक स्थानीय निवासी द्वारा दी गई, जिसकी पहचान हो चुकी है। दूसरी धमकी हिमाचल प्रदेश के शिमला से आई, जहां से 20 दिसंबर 2024 को एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर उन्हें डराने का प्रयास किया। इस कॉल के लिए उपयोग किया गया नंबर 8219626015 है। हालांकि, शिमला से जुड़े मामले में पुलिस अभी तक आरोपी की पहचान करने या धमकी के कारणों का पता लगाने में असफल रही है।इस घटना के बाद पत्रकार समुदाय और स्थानीय जनता ने नाराजगी व्यक्त की है। गोटेगांव प्रेस क्लब ने गोटेगांव थाना प्रभारी को ज्ञापन सौंपकर आरोपियों के खिलाफ त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने पुलिस से आग्रह किया है कि ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए। पत्रकारों का कहना है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और निष्पक्ष रिपोर्टिंग को बनाए रखने के लिए प्रशासन को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। साथ ही, धमकी देने वालों को जल्द गिरफ्तार कर कानूनी प्रक्रिया के तहत सजा दी जानी चाहिए।

नहीं रहे गौरीशंकर नीखरा

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस नगर के प्रतिष्ठित नीखरा परिवार के वरिष्ठ श्री गौरीशंकर नीखरा का निधन हो जाने पर नगर के सभी वर्गों के लोगों ने उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी। नीखरा जी देवेन्द्र कमलेश और जितेन्द्र नीखरा के पूज्य पिता थे।

नहीं रहीं मनोरमा मिश्रा

नगर के प्रतिष्ठित मिश्रा परिवार की एवं नगर परिषद तेंदूखेड़ा में पूर्व में उपाध्यक्ष रहीं रिटायर्ड शिक्षिका विभिन्न सेवा भावी संगठनों के माध्यम से सेवा भावी गतिविधियों में संलग्न रहने वाली श्रीमती मनोरमा मिश्रा का निधन हो जाने पर सभी वर्गों के लोगों ने पहुंच कर अपनी अपनी श्रंद्धाजलि अर्पित करते हुए अंतिम विदाई दी।आप पं पूनम मिश्रा नितिन मिश्रा की पूज्य माता जी थी। अंतिम विदाई अवसर पर पहुंचे पूर्व विधायक संजय शर्मा ने भी अपनी शोक संवेदनाये व्यक्त करते हुए श्रंद्धाजलि अर्पित की।

जनकल्याण अभियान के तहत लगाये जायेंगे शिविर

हरिभूमि न्यूज . नरसिंहपुर। सम्पूर्ण जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान के तहत नगरीय निकायों व 6 जनपद पंचायतों में क्लस्टर के अनुसार ग्राम पंचायतों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान छूटे हुए पात्र हितग्राहियों को शासन की कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित किया जा रहा है। इसी क्रम में 3 जनवरी को नगर पालिका परिषद गाडरवारा के राजीव वार्ड जगदीश वार्ड विवेकानंद वार्ड व शिवाजी वार्ड के लिए कॉलेज में शिविर लगाये जायेंगे। इसी तरह 3 जनवरी को जनपद पंचायत नरसिंहपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गोरखपुर व रातामाटीए जनपद पंचायत गोटेगांव के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बुढ़ैना व पिपरसराए जनपद पंचायत करेली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बघुवार व माचामउए जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत इमझिराए उमरपानी व मनकापुर के संबंधित ग्राम पंचायत भवनए जनपद पंचायत चीचली के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत छैनाकछार बी के पंचायत मुख्यालय और जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत खमरिया में शिविर लगाये जायेंगा।

पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से की शिकायत

गिरवी रखे जेवर का मांगा जा रहा अनाप शनाप ब्याज

हरिभूमि न्यूज . नरसिंहपुर। गत दिवस पीड़ति ने पुलिस अधीक्षक के नाम शिकायती आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई। आवेदन में बताया गया कि रूपयों की अत्याधिक जरूरत आने पर एक व्यक्ति में नगर की एक ज्वेलर्स दुकान पर अपना जेवर गिरवी रखकर पैसे लिये परंतु उसे नही पता था कि अभी तो उसकी समस्या हल हो जायेगी परंतु आगे जाकर उसे एक जटिल समस्या और बेइज्जती का सामना करना पड़ेगा वरना वह ज्वेलर्स की दुकान से पैसे कतई नही लेता। आवेदन मे बताया गया कि दुकानदार द्वारा पीड़ति बेइज्जती की तथा तय की गई ब्याज की दर से अधिक राशि की भी मांग की जा रही है।

मामला इस प्रकार

बीते दिवस मुराछ निवासी पीड़ति किसान द्वारा पुलिस अधीक्षक के नाम आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की गई। आवेदन में बताया गया कि नगर के सिंहवाहिनी ज्वेलर्स पर 28 जनवरी 2021 को 4 लाख 75 हजार रूपये में डेढ़ प्रतिशत ब्याज की दर तय कर जेवर गिरवी रखा गया था। दुकानदार अनाब.शनाब ब्याज लगाकर सूदखोरी कर अवैध राशि वसूले जाने का आरोप लगाया।
पीड़ति किसान द्वारा ब्याज की राशि दो लाख मक्का बेचकर माह सितंबर.अक्टूबर में जमा कर दिया था आवेदक अपने जेवर उठाने दुकानदार के

यहां माह नवम्बर के दूसरे सप्ताह में गया था तब अनावेदक ने आवेदक को गिरवी रखे जेवरातों का कुल 47 माह का ब्याज पर ब्याज जोड़कर कुल 11ए84ए440 रूपये आवेदक का कर्ज बता रहा है। आवेदक ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत करते हुए बताया कि उक्त ज्वेलर्स द्वारा अनाब.शनाब पैसे की मांग कर रहा था।

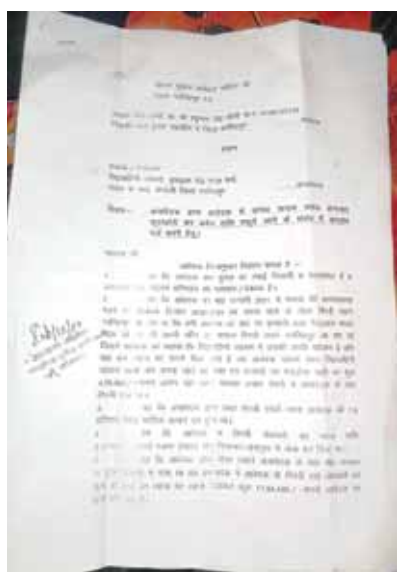

हड़प लिये दो लाख रूपये. आरोप

प्रार्थी अजमेर सिंह ने बताया कि राजाराम और इंदर पटैल के सामने मक्का बेचकर 2 लाख रूपये की राशि ब्याज स्वरूप दुकानदार को दी थी परंतु अनावेदक उक्त राशि का कोई जिक्र नही कर रहा है और राशि हड़प ली है। पीड़ति ने बताया कि उसने दुकानदार से गिरवी रखे जेवरातों में से कुछ जेवरात उठाने का निवेदन किया परंतु दुकानदार ने यह कहकर जेवरात नही दिए कि पूरी रकम चुकता कर अपने जेवरात उठा लेना। श्री लोधी ने आगे बताया कि वह तो मदद हो जाये इस हिसाब से अनावेदक के पास गया था परंतु अब तो वह बड़ी समस्या में फस गया है। आवेदन में बताया कि जब वह जेवर गिरवी रखने आ रहा था तभी गांव के कन्छेदी यादव मिला जो कि वह भी अपनी पत्नि का करधन गिरवी रखने आ रहा था जिसने मुझसे अजमेर सिंह को बताया कि सिंहवाहिनी ज्वेलर्स में उसकी अच्छी पहचान है और कम ब्याज पर रूपये मिल जाते है तब अजमेर सिंह उसके साथ सिंहवाहिनी ज्वेलर्स आया और अपना सोने का जेवर एवं कन्छेदी का कड्डोरा चांदी का कुल 4ए75000 रूपये में उक्त ज्वेलर्स के यहां गिरवी रखा था। श्री लोधी ने आगे बताया कि जेवर गिरवी रखते समय उसे 1ए5 प्रतिशत ब्याज मासिक लगाने तय हुआ था।

झूठे मामले में फंसाने की धमकी

शिकायत में बताया गया कि दुकानदार से ब्याज पर ब्याज लगाने का विरोध किया और कहा कि आप अनुचित ब्याज थोप रहे है जबकि जेवर गिरवी रखने के दौरान ऐसी कोई बात तय नही हुई थी और जब आप अनुचित ब्याज लगाकर मुझ पर आर्थिक बोझ डाल रहे है और मेरे सोने चांदी के जेवरात हड़प जाना चाहते है तो दुकानदार कहने लगा कि हमारे यहां ऐसा ही चलता है यदि तुमने संपूर्ण रकम 11ए84ए440 रूपये अदा कर अपने जेवरात नही उठो तो तुम्हारे जेवरात डूब जायेंगे और यदि दुबारा जेवरातों के लिए आए तो किसी भी झूठे मामले में फंसा देंगे।

न्याय की लगाई गुहार

पीड़ति किसान द्वारा बताया गया कि तयशुदा ब्याज कुल ऋण पर 1ए5 प्रतिशत वार्षिक दर अनुसार कुल 47 माह का ब्याज कुल मूलधन 4ए75000 रूपये पर 3ए34ए875 रूपये कुल 8ए09ए875 रूपये में से जमा ब्याज राशि 2 लाख रूपये घटाकर 6ए09ए875 रूपये आगामी माह की ब्याज राशि अदा करने हेतु तैयार है किंतु अनावेदक तयशुदा ब्याज रकम न लेकर ब्याज पर ब्याज एवं चक्रवृद्धि ब्याज लगाकर अनुचित रूपये वसूल करना चाहता है। प्रार्थी ने अनावेदक पर उचित वैधानिक कार्यवाही करने एवं आवेदक के जेवरात वापिस दिलाने की गुहार लगायी है। वहीं जब इस संबंध में सिंहवाहिनी ज्वेलर्स संचालक से बात की गई तो उनका कहना था कि हमारे ऊपर जो आरोप लगाये गये है निराधार है और हमे कोई पैसे नही दिये है बल्कि हमने खुद कई बार अजमेर सिंह से जेवरात उठाने की बोला परंतु वह नही आये और बोलने लगे की जेवर काट लो।

ईडीपी का 6 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज, नरसिंहपुर। सामान्य उद्यमिता विकास प्रबंधन. ईडीपी ;उद्यम सखी का 6 दिवसीय प्रशिक्षण 26 दिसंबर से 31 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण उपरांत 24 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किये गये। इसके अलावा 30 दिवसीय महिला सिलाई प्रशिक्षण 2 दिसम्बर से 31 दिसम्बर 2024 तक सम्पन्न हुआए जिसमें 35 प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किये। यह दोनों प्रशिक्षण

सेंटर आरसेटी. ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान नरसिंहपुर में सम्पन्न हुये। इस अवसर पर समाज सेवी सुनील कोठारीए जिला परियोजना प्रबंधक एनआरएलएम नरसिंहपुर श्रीमती मीना परते जिला प्रबंधक आजीविका ज्वाला करोसिया निदेशक श्रीमती अनामिका मल्ल संकाय सदस्य आशीष नामदेव श्रीमती शिखा कुशवाहा सहायक श्रीमती सिंधु शर्मा और प्रशिक्षणार्थी मौजूद थे। इस दौरान प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि कृषि के अलावा गैर कृषि कार्य करने के लिए उद्यम सखी ग्रामीण स्तर पर आजीविका मिशन द्वारा रखी जा रही हैं। वह ग्रामीणों को व्यवसाय कंपनी गैर कृषि से जुड़ी जरूरतों का व्यवसाय करने के लिए प्रेरित करेंगे। उद्यम सखी ग्रामीण में समूह की महिलाओं को किराना दुकानए मनिहारीए चक्की सिलाई कपड़ा चाय. नाश्ता चाट. फुल्की की दुकान लगाकर अपनी आजीविका चलाने के लिए जागरूक करेंगी। इसके अलावा व्यवसाय से जोड़कर अच्छा सामान कम दाम में रखकर गांव में ही उपलब्ध करायेगी और आजीविका का साधन बनायेंगी। वित्तीय आवश्यकता समूह की महिलाओं को होती हैए तो समूह के माध्यम से ऋण या मुद्रा योजना के लिए आवेदन कर बैंक ऋण ले सकती हैं। सेंटर आरसेटी से सिलाई का कार्य सीखा है वह ग्रामीण स्थानों पर बुटिक खोलकर अपने क्षेत्र में सिलाई से संबंधित कार्य करें और अपनी आजीविका का साधन बनायें।

दो दिवसीय व्हालीबॉल प्रतियोगिता सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज . नरसिंहपुर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा फिट इंडिया कैंपेन के तहत नववर्ष के उपलक्ष्य में व्हालीबॉल प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉए आरए बीए सिंह एवं विशिष्ट अतिथि देवेंद्र दुबे ने कर्मचारियों अधिकारियों व छात्र छात्राओं को खेल के प्रति जागरूक किया। मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी राकेश जैन उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का सेमीफाइनल मैच प्रोफेसर टीम एवं महिला टीम के मध्य खेला गया जिसमें प्रोफेसर टीम ने 2 . 1 के सेट से मैच जीता और फाइनल में प्रवेश किया। दूसरा सेमीफाइनल पुरुष वर्ग की टीम ए और टीम बी के मध्य खेला गया जिसमें टीम ए में विजई रही फाइनल मुकाबला प्रोफेसर टीम ए एवं पुरुष टीम बी के मध्य खेला गया जिसमें छात्र टीम ने 2.1 के सेट से मुकाबला अपने नाम किया एवं वॉलीबॉल चैंपियन बने। प्रतियोगिता पश्चात विजेता एवं

उपविजेता टीम के साथ साथ समस्त प्रतिभागियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता के बेस्ट प्लेयर के रूप में महाविद्यालय के प्रोफेसर सतीश कुमार बैस को चुना गया। प्रतियोगिता में मुख्य रेफरी के रूप में मानसी कुशवाहा एवं अमन रजक ने एवं स्कोरर के रूप में काजल जाटव प्रगति तिवारी ने अपनी भूमिका निभाई। प्रतियोगिता को सफल बनाने में दीपचंद कहार जीजी बाई लोधी अनिकेत साहू हफीज खान लीलाधर मेहरा आदि ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

अतिक्रमण हटाने की मांग, सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज . नरसिंहपुर। गत दिवस नगर के जागरूको युवाओं द्वारा जिला प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन मे बताया गया कि मैनें रोड मिनीफुटवेयर के सामने इन्द्राचोक से शिवाजी चैक तक बढ़ रहे अतिक्रमण से आये दिन रहगिरो को परेशानियों का सामना करना पडता है। अवैध सब्जी मंडी आसामजिक तत्वो के द्वारा रोड पर ठेला लगाकर आने जाने वाली महिलाओ को देखकर टिप्पणी की जाती है। बीते दिवस गौवंशो को लात मर कर भगाना एवं मना करने पर लडाई एवं वाद विवाद करने के लिये उतारू हो जाते है सब्जी मंडी जहां पर शासन ने आवंटन की है वहाँ पर संब्जीयो की दुकान लगाई जावे एवं मेने रोड इन्द्रा चौक से शिवाजी चैक तक का अतिक्रमण हटाया जाये। अगर शासन प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण नही हटाता तो हम सभी नगरवासी धरना देकर उग्र आंदोलन के लिये बाध्य होगे। उक्त मौके पर गोलू खत्री सोनित नेमा सहित अन्य मौजूद रहे।

पीड़ित प्राणी सेवा के पर्याय बने मुकुल

वसुधा सेवा समीति के माध्यम से कर रहे गौ सेवा

तेंदूखेड़ा। नगर में वर्तमान समय में गौ सेवा के लिए कार्य कर रहे किसी भी संगठन की बात करें तो केवल वसुधा सेवा समिति पर आकर रुक जाता है।जिसमें बसुधा सेवा समिति के मुकुल नामदेव एक ऐसे सेवा भावी युवा है जिनके द्वारा रात्रि में घूम रहे पशुओं को स्कॉलर बेल्ट बांधकर उन्हें एक्सीडेंट से बचने का प्रयास किया जा रहा है । अक्सर कर देखा जाता है कि नेशनल हाईवे पर अधिक मात्रा में गो वंश ट्रक हादसे का शिकार होते है। जिसमें मूक प्राणियों की सैकड़ों मौतें हो चुकी है। इन जानवरों को इन दुर्घटना से बचाने के लिए एक उत्तम प्रयास तो है ही साथ ही क्षेत्र में जहां कहीं भी गौ सेवा हो उसके लिए प्राथमिक उपचार की आवश्यकता पड़ती है तो मुकुल स्वयं अपने ब्यय से दवाइयों का जितना उपचार हो सके पशुओं को किया जाता है ।जो पशु नेशनल हाईवे पर एक्सीडेंट से घायल हो जाते हैं उनको एक सुरक्षित स्थान पर पहुंचा कर उनके भोजन पानी की चिंता भी इनके द्वारा की जाती है ।इस पावन उद्देश्य को लेकर वसुधा सेवा समीति के सभी सदस्य जो इस कार्य में अपनी अपनी सहभागिता कर रहे हैं वह समाज के लिए प्रेरणादाई है।

कॅरियर मार्गदर्शन तहत कम्प्यूटर प्रशिक्षण सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज, नरसिंहपुर। गत दिवस प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार के उपक्रम जन शिक्षण संस्थान द्वारा विद्यार्थियों के लिए असिस्टेंट कम्प्यूटर ऑपरेटर हेतु 3 माह के प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉ आर बी सिंह व आईक्यूएसी के निर्देशन

एवं प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ प्रभृत्ति सेन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। यह कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान से आशीष कुमार ;डायरेक्टर सुमित दुबे ;प्रोग्राम मैनेजर वंदना पटेल ;मास्टर ट्रेनरद्ध एवं उनके सहयोगी मुकेश कुमार उपस्थित रहे। जिला नोडल अधिकारी अजीत राय की उपस्थिति में 35 विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदाय किये गये। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती शिल्पी तिवारी द्वारा किया गया एवं प्रकोष्ठ सदस्य श्रीमती दीप्ती नेमा व पूर्णिमा पटेल का विशेष सहयोग रहा।

दूसरे व्यक्ति को अंतिम विदाई देने गये नगर के वरिष्ठ बुद्धिजीवी शिक्षक स्वयं चल बसे

तेंदूखेड़ा । विधि के विधान के आगे किसी की नहीं चलती । मानव जीवन एक बुलबुले के समान ही होता है। ऐसा ही एक विषय गुरुवार को तेंदूखेड़ा में देखने मिला जहां नगर के वरिष्ठ बुद्धिजीवी शिक्षक सुदामा प्रसाद गुप्ता जो रोज की भांति अपनी दैनिक दिनचर्या से निवृत्त होकर नगर के ही प्रतिष्ठित मिश्रा परिवार पं पूनम मिश्रा नितिन मिश्रा की रिटायर्ड शिक्षिका एवं नगर परिषद तेंदूखेड़ा की पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती मनोरमा मिश्रा के निधन पर उन्हें अंतिम विदाई देने के लिए शव यात्रा में शामिल होकर अग्नि संस्कार के लिए शवदाह गृह के लिए जा रहे थे कि शवदाह स्थल की चंद कदम की दूरी पर अचानक गिर गये और वहीं पर अपने प्राण त्याग दिए। पास में ही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले गए लेकिन डाक्टरों ने देखकर उन्हें मृत घोषित कर दिया। सभी हतप्रभ रह गए,

यह क्या हो गया और सभी आश्चर्यचकित रह गए अभी तो साथ साथ चल रहे थे। शिक्षक सुदामा प्रसाद गुप्ता एक रिटायर्ड शिक्षक होने के साथ आध्यात्मिक बौद्धिक ज्ञान के साथ इतिहास के बारे में एक अच्छी जानकारी संजोकर रखते थे। यदि भूलवश किसी अखबार पुस्तक या किसी दूसरे व्यक्ति के द्वारा कोई गलत जानकारी छाप दी जाती थी तो उस पर प्रतिक्रिया के साथ सप्रमाण जानकारी स्वयं देने पहुंच जाते थे। सादगी पूर्ण जीवन शैली के साथ सुबह जल्दी उठकर घूमने जाने नगर की हर गतिविधियों की जानकारी रखना उनकी दिनचर्या में शामिल था।उनकी चार पुत्रियां हैं। जो शासकीय सेवाओं में संलग्न बनीं हुई है। गुप्ता मासाब के नाम से विख्यात सुदामा प्रसाद गुप्ता वरिष्ठ भाजपा नेता राजीव अग्रवाल के बड़े भाई थे। इन्हें आज शुक्रवार को शवदाह गृह में अंतिम विदाई दी जायेगी।

नरसिंहपुर मार्ग राजपूत ढाबा समीप भीषण सड़क हादसा

ट्रक की टक्कर से बाइक में सवार दो की मौत, दो गंभीर घायल

गोटेगांव। विगत दिवस दिन बुधवार को स्थानीय थाना अंतर्गत नरसिंहपुर मार्ग स्थित राजपूत ढाबा के पास भीषण सड़क हादसा हो गया जिसमें प्राप्त जानकारी के मुताबिक बताया गया कि ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी जिसमे दो युवकों की मौत हो गई वही बुधवार 6:30 बजे मिली जानकारी के मुताबिक बताया गया कि श्रीनगर निवासी दीपक चौधरी अपनी पत्नी दुर्गा और दो बेटियों को बाइक से लेकर श्रीनगर से मगरधा जा रहा था वही राजपुत ढाबा के पास ट्रक ने टक्कर मार दी जिसमे सभी घायल हो गए वही स्थानीय लोगो ने 108 एम्बुलेंस को सूचना दी जिसके पश्चात 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुँची और घायलो को प्राथमिक इलाज के लिए गोटेगांव के सामुदायिक स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र ले जाया गया जहां डॉक्टर ने दुर्गा चौधरी और बेटी को मृत घोषित कर दिया वही दीपक चौधरी और एक बेटी का उपचार स्वास्थ्य केन्द्र में किया जा रहा हैं। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन कर कार्यवाही में जुट गई है।

सिमरिया रेलवे ब्रिजः निर्माण चल रहा कछुआ गति से, डायवर्सन मार्ग में भरा पानी

गोटेगांव। समीपवर्ती ग्राम सिमरिया के पास रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण ठेकेदार के द्वारा किया जा रहा है। इसके लिए ठेकेदार के द्वारा सड़क के बाजू से डायवर्सन मार्ग बनाया है। जहां पर ओवर ब्रिज का निर्माण किया जा रहा है। वहां पर रोड के किनारे ठेकेदार के द्वारा निर्माण सामग्री डाली गई है जो बिखर कर रोड पर आती रहती है। वहीं रोड किनारे वाले हिस्से में अन्य कार्य किए जा रहे हैं। यहां संकेत बोर्ड की भी कमी है। रोड के किनारे कार्य करने वाले अन्य वाहन भी खडे रहते है, जिसके कारण उक्त रोड का हिस्सा पूरी तरह से अस्त व्यस्त हो जाता है। यहां से चरगुवा जबलपुर गांव जाने वाले निकलते है। वही ठेकेदार के द्वारा डायवर्सन मार्ग, ठीक से नहीं बनाया गया है जिसमें जरा सा पानी गिरने से डायवर्सन में मार्ग पानी -पानी गया है वहीं डायवर्सन का एक हिस्सा खेत के बीच से बना दिया है जिससे कीचड़ में मोटरसाइकिल वाले फिसल कर घायल हो रहे हैंवहीं रोड पर फैली निर्माण सामग्री से आने जाने वालों को दिक्कत हो रही है। इसको समेटने की दिशा में ठेकेदार के लोग किसी प्रकार का कार्य नहीं करते है। यहां पर किसी प्रकार के कोई संकेत ही नहीं हैं सिर्फ उस स्थल पर निर्माण कार्य चलने के संकेत लगाए गए है जहां पर ओंवर ब्रिज के पिलर निर्मित हो रहे हैं। अन्य भाग में निर्माण कार्य जो सामग्री बिखरी।जहां पर वाहन निकालने में लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। इस दिशा में विभाग समुचित कदम उठाए ताकि होने वाली दिक्कत से राहगीरों को राहत मिल सके। कछुआ गति के निर्माण

कार्य एक कंपनी के द्वारा किया जा रहा है जिसकी समय समय पर जांच भी होना जरूरी है कितना मटेरियल किस कार्य में मजबूती से किया रहा है जिसकी जांच बेहद जरूरी है। सेतु निर्माण के इंजीनियर भी लापरवाह साबित हो रहे हैं।साइड पर चल रहे निर्माण कार्य का भी निरीक्षण नहीं करते। लोहा कितने एम एम का लगाया जा रहा है कौन सामटेरियल घटिया है या गुणवत्ता पूर्ण है इसकी भी जांच आवश्यक है स्मरण हो कि निर्माण कार्य लिए ठेकेदार का गोटेगांव में ना होना नगर में जन चर्चा का विषय बनता जा रहा है। जिला मुख्यालय पर रहने वाले इंजीनियर जबलपुर से अप डाउन करते है जिससे कार्य प्रभावित होता है। निर्माण कार्य में कार्यरत मजदूरों की सुरक्षा मानकों का भी ध्यान नहीं रखा जा रहा,ऊंचाई पर कार्य कर रहे मजदूरों को हेलमेट और सेफ्टी बेल्ट नहीं पहनाया जाता है।साइड पर मौजूद मजदूरों के पास ऊंचाई से गिरने और स्वयं को दुर्घटना के बचने के लिए कोई साधन भी नहीं है मजदूरों की जान के साथ किया जा रहा खिलवाड़ धूल भरे वातावरण में कार्य करने वालों के लिए डस्ट गिलास उपलब्ध नहीं है।निर्माण कार्य के दौरान मजदूरों को पहनने वाले जूते और दास्तानें उपलब्ध नहीं किए जा रहे हैं।श्रमिकों के सुरक्षा मानदंडों का पालन भी नहीं हो रहा है।ब्रिज निर्माण कार्य में लगे मजदूर अपनी जान को जोखिम में डालते हुए कार्य कर रहे हैं परंतु ठेकेदार द्वारा मजदूरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को लेकर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है उनकी जान से खिलवाड़ किया जा रहा है।वहीं जनता और राहगीर ब्रिज बनने से परेशानी का सामना कर रहे हैं।रेल विभाग के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी ध्यान दें।